INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-79 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 16 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में खाद्य विभाग की कार्रवाई

वृंदावन पहुंचने से पहले पकड़ा गया 17 कुंतल दूषित पेड़ा

यूनिक समय, मथुरा। पुरूषोत्तम मास में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बीच वृंदावन में बड़े स्तर पर दूषित पेड़ा सप्लाई किए जाने का मामला सामने आया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए धौलपुर से लाया गया करीब 17 कुंतल पेड़ा जांच के दौरान पेड़ा अस्वस्थकर परिस्थितियों में प्लास्टिक बैगों में भंडारित मिला। खाद्य विभाग ने 2 लाख 58 हजार रुपये मूल्य का पेड़ा नष्ट कराते हुए नौ नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल ने मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। टीम ने वृंदावन क्षेत्र में जांच के दौरान एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोका, जिसमें 43 बोरों में पेड़ा भरा हुआ था। जांच में पाया गया कि पेड़ा धौलपुर से वृंदावन लाया जा रहा था। वाहन के साथ आए देवेन्द्र पुत्र पीतम निवासी धौलपुर ने पूछताछ में बताया कि पेड़ा त्यागी इंडस्ट्रीज, धौलपुर से मंगाया गया था। यह माल अमरचंद निवासी छटीकरा द्वारा वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर के आसपास स्थित मिठाई की दुकानों पर सप्लाई किया जाना था। मामले में विष्णु पुत्र अमरचंद और दिनेश गर्ग का नाम भी सामने आया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके पर पेड़ा के कुल नौ नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने दो, रामनरेश ने दो, मोहर सिंह कुशवाह ने दो, भरत सिंह ने एक, दलवीर सिंह ने एक तथा धर्मेन्द्र सिंह ने एक नमूना संग्रहित किया। सभी नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। वृंदावन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि जांच के दौरान पेड़ा खराब और विनिष्ट प्रकृति का पाया गया। खाद्य कारोबारियों की लिखित सहमति के बाद शेष पेड़ा को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। नष्ट किए गए पेड़ा की अनुमानित कीमत करीब 2.58 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पकड़े गए दूषित पेड़े को नष्ट करते खाद्य विभाग के अधिकारी।

प्लास्टिक बैगों में भरा मिला खराब पेड़ा, विभाग ने कराया नष्ट

जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया

धौलपुर से बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र में सप्लाई की तैयारी

खाद्य विभाग ने 2.58 लाख का माल कराया नष्ट

जिले में यूरिया बिक्री पर एक्शन

10 लाइसेंस निलंबित

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में यूरिया उर्वरक की रिकॉर्डतोड़ खपत ने कृषि विभाग को अलर्ट मोड में ला दिया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मात्र 40 दिनों में 971 मीट्रिक टन अधिक यूरिया बिक्री सामने आने के बाद विभाग ने बड़ी जांच कार्रवाई शुरू कर दी। कृषि निदेशक के निर्देश पर संयुक्त कृषि निदेशक अलीगढ़ श्रवण कुमार ने शनिवार को राया और बल्देव क्षेत्र में कई सहकारी समितियों और निजी उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर रिकॉर्ड खंगाले। जांच के दौरान बिक्री-स्टॉक रजिस्टर और किसानों के मोबाइल नंबरों तक का सत्यापन किया गया, जिससे खाद कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि बीते साल एक अप्रैल से 10 मई तक जनपद में 1445 मीट्रिक टन यूरिया की खपत हुई थी, जबकि इसी अवधि में वर्ष 2026 में यह बढ़कर 2416 मीट्रिक टन पहुंच गई। अचानक बढ़ी खपत को गंभीर मानते हुए विभाग ने विशेष जांच बैठाई। जांच टीम ने राया, मौजा भौजुआ, गौसना, अवैरनी, बल्देव और पचावर सहित कई केंद्रों पर पहुंचकर अधिक यूरिया खरीदने वाले किसानों से सीधे फोन पर बातचीत की। जांच में बिक्री संदिग्ध पाए जाने पर 10 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। इनमें हुलवाना, अडींग, कादौना, छाता, राया, शेरगढ़, सोंख और सिवाल क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल हैं। वहीं दीनदयालधाम फरह, नगला जंगली, पैगांव और नौहझील पूर्वी की सहकारी समितियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

कृषि विभाग ने किसानों को चेताया है कि जरूरत से अधिक यूरिया का प्रयोग मिट्टी की उर्वरा शक्ति और माइक्रोन्यूट्रिएंट संतुलन को नुकसान पहुंचा रहा है।

विभाग ने किसानों से प्रति हेक्टेयर निर्धारित मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करने, जैविक और सूक्ष्म पोषक तत्वयुक्त उर्वरकों को अपनाने की अपील की है।

फिलहाल जनपद में 17591 मीट्रिक टन यूरिया और 7569 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध होने का दावा किया गया है, लेकिन कार्रवाई के बाद खाद बाजार में बेचैनी और चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कई खाद विक्रेता रडार पर, जांच से मचा हड़कंप

राया-बल्देव के कई केंद्रों के रिकॉर्ड खंगाले गए

संदिग्ध हालात में मिला क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष के बेटे का शव, सनसनी

यूनिक समय,आगरा। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के इंदिरा ज्योति नगर में यमुना पार क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष विनोद परमार के बेटे आकाश परमार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

आकाश परमार निजी अस्पताल में कंपाउंडर के रूप में कार्य करता था। परिजनों के अनुसार शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे वह कुछ दोस्तों के साथ ऑटो में जाता दिखाई दिया था। ऑटो चालक का नाम बिट्टू बताया जा रहा है। इसके बाद से आकाश का कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह करीब सात बजे स्थानीय लोगों ने घर के बाहर सड़क किनारे युवक का शव पड़ा होने की सूचना दी। परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

शव मिलने के समय उसके कपड़े फटे हुए थे और हाथ में ड्रिप की इंट्रा कैप लगी हुई थी। इससे मामला और भी संदिग्ध माना जा रहा है। परिजनों का कहना है कि आकाश की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। घटना के बाद उसकी बुलेट बाइक भी गायब बताई जा रही है। परिवार का आरोप है कि आकाश को आखिरी बार टेंपो चालक बिट्टू और उसके साथियों के साथ हनुमान नगर की ओर जाते देखा गया था। सूचना पर पहुंची थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

संयुक्त परिवार की अनोखी मिसाल

एक रसोई में बनता है 52 लोगों का खाना

यूनिक समय, वाराणसी। आधुनिक दौर में जहां संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं, वहीं काशी का मौर्य परिवार आज भी एकता-सामूहिक जीवन और आकर्षण का केंद्र बना है। इस परिवार में कुला 52 सदस्य एक ही छत के नीचे रहते हैं, सभी के लिए भोजन एक ही रसोई में तैयार होता है।

52 सदस्यों वाले परिवार के घर में रोजाना करीब 300 रोटियां बनाई जाती हैं, लगभग पांच किलो चावल पकाया जाता है। सुबह की चाय के लिए 10 लीटर दूध इस्तेमाल होता है। एक समय का भोजन तैयार करने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। सुबह छह बजे से नाश्ता और भोजन बनाने का काम शुरू हो जाता है, जो सुबह 9:30 बजे तक पूरा होता है। वहीं, शाम का खाना तैयार करने को दोपहर 3:30 बजे से रसोई में काम शुरू होता है और रात सात बजे तक भोजन तैयार हो जाता है। अकथा स्थित इस मकान में 40 से अधिक कमरे और एक बड़ा डाइनिंग हॉल है, जहां परिवार के सदस्य सामूहिक रूप से भोजन करते हैं।

घर की सबसे वरिष्ठ सदस्य लालमनी देवी पूरे परिवार का संचालन करती हैं। खाने का मेन्यू भी उन्हीं के निर्देश पर तय होता है। परिवार पूरी तरह शाकाहारी है और नवरात्र जैसे धार्मिक अवसरों पर बिना लहसुन-प्याज का भोजन बनाया जाता है।परिवार के सदस्य और अशोका इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के वाइस चेयरमैन अमित मौर्य ने बताया कि घर की महिलाएं मिलकर पूरा भोजन तैयार करती हैं। बच्चों के स्कूल जाने के बाद खाना बनाने का काम शुरू होता है। रात में पहले बच्चे, फिर महिलाएं और उसके बाद पुरुष सदस्य एक साथ भोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, लेकिन भोजन के समय पूरा परिवार साथ बैठना नहीं भूलता।

एक साथ करते हैं भोजन, सदस्य निभा रहे रिश्तों की परंपरा

रसोई में रोज बनती हैं 300 रोटियां

साढ़े तीन घंटे में तैयार होता है भोजन

खादी बोर्ड की नई पहल

ग्रामीण हुनर को मिलेगा मशीनों का सहारा

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने नई पहल की है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार की इच्छा रखने वाले उद्यमियों को निशुल्क पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन और सेमी ऑटोमेटिक दौना निर्माण मशीन वितरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य गांवों में छोटे स्तर पर रोजगार के

ग्रामोद्योग देगा मुफ्त पॉपकॉर्न और सेमी ऑटोमेटिक दौना मशीन

अवसर बढ़ाना और पारंपरिक हुनर को आधुनिक मशीनों से जोड़ना है। खास बात यह है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है, ताकि ग्रामीण युवाओं को सीधे सरकारी व्यवस्था से जोड़ते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के अनुसार इच्छुक उद्यमी 25 मई तक यूपीकेवीआईबीडॉटजीओवीडॉटइन पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की हार्ड कॉपी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में जमा करनी होगी। उनका कहना है कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा और बेरोजगार युवाओं को कम लागत में अपना काम शुरू करने का अवसर मिल सकेगा। दौना निर्माण और पॉपकॉर्न यूनिट जैसे छोटे कारोबार गांवों में तेजी से आय का मजबूत जरिया बन सकते हैं, क्योंकि इनमें कम पूंजी और सीमित जगह की जरूरत होती है। साथ ही ग्रामीण बाजारों, मेलों और छोटे आयोजनों में इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। मशीन वितरण के साथ-साथ लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिए जाने की भी व्यवस्था होगी।

ग्रामीण इलाकों में बढ़ती बेरोजगारी के बीच यह योजना युवाओं के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आई है। योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद युवाओं तक तेजी से और पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसलिए ऑनलाइन प्रक्रिया पर जोर दिया गया है।

ब्रज चौरासी परिक्रमा को कल से बढ़ेंगे पग

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज 84 कोस परिक्रमा से 84 लाख योनियो से मुक्ति के लिए श्रद्धालु रविवार से पग बढ़ाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थली और उसके धार्मिक महत्व से भी श्रद्धालु परिक्रमा के दौरान परिचित होंगे। इस बार ज्येष्ठ मास होने की वजह से परिक्रमा रात और सुबह के समय धार्मिक श्रद्धा और भक्ति से सराबोर दिखेगी।

कल से अधिकमास का शुभारंभ होगा, इसके मल मास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है, इस बार यह ज्येष्ठ मास में पड़ रहा है, इसलिए धार्मिक लिहाज से इसका महत्व अधिक बढ़ गया है। ऐसे में इस बार इस

रात को परिक्रमा के लिए निकलेंगे श्रद्धालु, भजन-कीर्तन की मचेगी धूम

परिक्रमा में करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं की संभावना है। करीब 254 किमी. परिक्रमा में 12 वन और 26 उपवन क अलावा अनेक प्राचीन सरोवर- कुंड भी श्रद्धालुओं को ब्रज के महत्व से जोड़ेंगे। यूपी के अलावा यह परिक्रमा हरियाणा और राजस्थान से होकर नगे पैर पूरी की जाती है, भजन- कीर्तन के साथ परिक्रमा का विशेष होता है। कई दिन में पूरी होने वाली इस यात्रा के दौरान सेवा और श्रद्धा का भाव भी बनेगा। समाजसेवी और धार्मिक प्रवृति के लोग इसके लिए तैयारी कर चुके हैं। परिक्रमाथियों के लिए शीतल पानी के अलावा छांव और अन्य सेवा के भाव बनाने की तैयारी है, जिन गांवों से यात्रा निकलेगी, वहां भी ग्रामीणों ने पुण्य कमाने को तैयारी की है। 84 कोस परिक्रमा के लिए शुभारंभ का कोई नियत स्थान नही है, यह जहां से शुरू होती है, वही पर इसका समापन होता है।

अब इस यात्रा में से एक दर्जन गांव कम हो गए हैं, जिससे इसकी दूरी भी कम हो गई है। जिला पंचायत राज विभाग और निकायों भी इसके लिए इंतजाम किए हैं।

चिलचिलाती धूप ने छुड़ाए पसीने, पारा पहुंचा 42 पर

यूनिक समय, मथुरा। एक सप्ताह बाद ही मौसम में अब बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। शनिवार को सूरज को तीखे तेवर ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए। अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। अब मौसम विभाग ने कल से हीट बेव चलने का अलर्ट जारी किया है।

इस सप्ताह में ही मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। लगातार बदल रहे मौसम की रंगत के बीच तापमान में भी उतार-चढ़ाव जारी है।

शनिवार सुबह आठ बजे से ही तेज धूप महसूस होने लगी। जिसके कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी। सार्वजनिक स्थान भी सूने नजर आए।

वहीं, तेज धूप की वजह से अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे छत पर रखी टंकियों से पानी गर्म निकला। वहीं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस बना रहा। मौसम विभाग ने कल से 20 मई तक हीट बेव चलने का अलर्ट जारी किया है। इस अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पास आने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, इस तीन दिनों में तापमान में काफी बदलाव दिखेगा। हीट बेव की वजह से लोगों को सावधान रहना होगा।

तापमान / मौसम

42 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,55,140
22 कैरेट 1,44,500
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,89,000 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

KANHA MAKHAN GROUP OF SCHOOLS

Congratulations

CLASS 12th & 10th
CBSE Result 2026

97.8%
SHREYA VARSHNEY
XII-COMMERCE
KMPS VRINDAVAN

99.2%
KRISHNA SONI
CLASS-X
KMPS MATHURA

CLASS XII

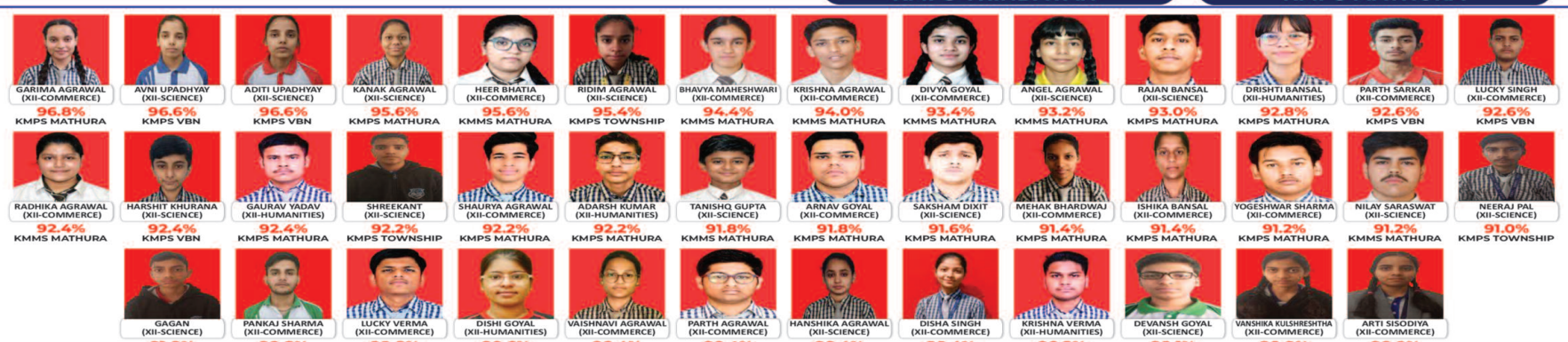

CLASS X

रातभर दौड़ते डंपर, दिनभर उड़ती रही रेतीली मिट्टी

यूनिक समय, मथुरा। खनन माफिया के हाथों कई बाद अपनी भद्द पिटवाने वाली खाकी का मिट्टी खनन कराने से मोह नहीं नहीं छूट रहा है। रात से सुबह तक होने वाले अवैध खनन के काम को खाकी का पूरा प्रक्षय मिला हुआ है। चांदी की खनक भी अवैध मिट्टी खनन को बढ़ावा दे रही है। अब यह खनन लोगों और वाहन चालकों के लिए परेशानी की वजह बन रहा है।

नए मकान और विकसित कालोनियों में बन रहे आवासों में भराव के लिए मिट्टी की मांग लगातार होने से इन दिनों फरह और रिफाइनरी थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का काम जोरों पर है। मिट्टी की इस माग को खनन माफिया स्थानीय पुलिस की कृपा से पूरा कर रहे हैं। एक ट्राली मिट्टी के लिए छह– सात सौ रुपये लिए जाते है, जबकि डंपर दो से तीन हजार में बेचा जा रहा है।

खाकी की कृपा से खनन माफिया रात के अंधेरे में जेसीबी से जमीन की कोख उजाड़ने में जुटे रहते है। रात से सूरज निकलने तक चल रहे इस खनन काम के पीछे पुलिस की मोटी कमाई भी बताई जा रही है। खनन से जुड़े जानकारों ने बताया कि ट्राली से खनन करने के लिए पुलिस 10 दिन के लिए 15 हजार रुपये लेती हैं, जिसमें तीन हजार रुपये संबंधित चौकी के और दो हजार रुपये हमराह के फिक्स हैं, जबकि 10 हजार रुपये बड़े साहब के लिए रहते है। अब यह खनन राहगीर और वाहनों चालकों के लिए परेशानी की वजह बन रहा है। मिट्टी भरकर तेजी से रोड पर दौड़ते ट्रैक्टरों से काफी मिट्टी फरह में सीएचसी के आसपास और रिफाइनरी नगर गेट के आसपास सर्विस रोड पर फैलती हैं, जो बयार के साथ उड़कर राहगीर और वाहन चालकों के लिए परेशानी की वजह बनती है। शनिवार को रिफाइनरी नगर गेट के आसपास काफी रेतीली मिट्टी पड़ी होने से वाहन चालक और राहगीर परेशान होते रहे, बयार के साथ उड़ी यह रेतीली मिट्टी आंखों में पड़ती रहीं। हाइवे के सुंदरीकरण का काम देख रहे संस्कार शर्मा ने बताया कि इस समस्या के लिए कई बार अभियान चलाया गया है। ऐसे लोगों को सावधानी से मिट्टी ले जाने को समझाया है, अब जल्द इस बारे मे अभियान चलाएंगे।

रिफाइनरी नगर के गेट के पास सर्विस रोड पर फैला रेत, बयार के साथ रेत उड़ने से वाहन चालकों को हुई परेशानी।

बयार संग उड़ती मिट्टी बनी राहगीरों के लिए आफत

डंपर और ट्रालियों से रात से सुबह तक होता है खनन

सर्विस रोड पर बिखरा रेत बना चालकों के लिए परेशानी

ससुराल में प्रताड़ित युवक ने की थी आत्महत्या

पत्नी सहित आठ लोगों के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। पुत्र को ससुराल में प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए प्रेरित किए जाने के मामले में पिता ने उसके ससुरालीजनों के खिलाफ थाना हाइवे में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

थाना हाइवे के गांव जुनसुटी निवासी विजय शुक्ला ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि उसके पुत्र पंकज शुक्ला और पवन शुक्ला की शादी 12 नवंबर 2024 को फरह थाना क्षेत्र के गांव बामोली की पूजा और सीता उर्फ सुनीता के साथ हुई थी। उसकी पुत्र बधु पूजा ने महिला थाने और फरह थाने में दहेज आदि के लिए तंग- परेशान करने के साथ–साथ प्रताड़ित करने की झूंठी शिकायत की थी। इसी एक मई को रमन पुत्र कैलाश का फोन पंकज के फोन पर आया, कहा कि फरह थाने पर आ जाए। पंकज अपने साथ थाना फरह के गांव पीलुआ निवासी भीम को लेकर थाने पहुंचा। थाने पर रमन, पूजा, सीता उर्फ सुनीता ने पंकज साथ अभद्रता करते हुए गालियां देकर अपमानित किया और धमका कर थाने पर राजीनामा लिखवा कर दे दिया। राजी नामे के बाद रमन आदि पंकज शुक्ला ओर भीम को गांव बामोली ले गए। वहां पर पूजा, रमन, सीता उर्फ सुनीता, मछला, वंदना, लेखराज, विपिन और अम्बूलाल (पहलवान) निवासी धाना तेजा ने पंकज को चाय पिलाई, इस दौरान भी इन लोगों ने पंकज शुक्ला को अपमानित किया। इसके बाद पंकज शुक्ला अपनी मोटरसाइकिल से घर चल दिया। रास्ते में थाना हाइवे के समीप हालत खराब होने पर पंकज ने दमन निवासी सतोहा को फोन कर बुलाया।

मौके पर पहुंचे दमन ने बेहोश पंकज को चिरायु हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया,लेकिन हालत में सुधार न होने के कारण उसे फरीदाबाद के हॉस्पिटल के लिए ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। चिरायु हॉस्पिटल में पंकज शुक्ला की जेब से स्वयं द्वारा आत्महत्या किए जाने का पत्र भी मिला था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

युवक की जेब से आत्महत्या करने का मिला था पत्र

दो चोर गिरफ्तार, चोरी की दो बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले दो चोरों को गिरफ्तार कर उनसे दो चोरी की बाइक बरामद की हैं। मगोर्रा पुलिस ने बीती रात गांव आजल जाने वाले मार्ग पर वहां से गुजरते दो बाइक सवार युवकों को चेकिंग के लिए रोका, युवकों से बाइकों के कागजात दिखाने के लिए कहा। युवकों पर बाइक के कागजात नहीं थे।

पुलिस ने युवकों से कड़ाई से पूछताछ की तो पता लगा कि दोनों बाइक चोरी की हैं। पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में अभियुक्त विष्णु निवासी बछगांव और पवन निवासी नगला बाघा थाना कुम्हेर जिला डीग को गिरफ्तार कर लिया।

चोरी की बाइकों के साथ पुलिस गिरफ्त में दो चोर।

बाइक सवार ने युवक को मारी गोली

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली के शास्त्रीनगर इलाके में एक युवक पर हमलावरों ने गोली चला दी। गोली हाथ में लगने से युवक घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया।

शास्त्रीनगर में रहने वाले संदीप चौधरी अपने घर के समीप खड़े थे। इसी दौरान वहां पहले से घात लगा कर खड़े बाइक सवार हमलावर ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके हाथ में लगी। गोली मारने के बाद हमलावर वहां से भाग निकला। गोली चलने की आवाज सुनकर इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायल को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए फोर्स तैनात कर दिया गया। इस बात की चर्चा है कि संदीप चौधरी पर गोली पुरानी रंजिश को लेकर चलाई गई है। पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए इलाके के सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने बताया पुरानी रंजिश का मामला

स्वगणना में गलती पर नहीं हों परेशान, प्रगणक करेंगे सुधार

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में स्वगणना का काम चल रहा है, यह 21 मई तक चलेगा। आनलाइन स्वगणना के दौरान किसी गलती के होने पर घबराएं नहीं, यह ठीक होगी। घर बैठे इसको सही कराया जाएगा, इसके लिए आपके पास स्वगणना आईडी नंबर होना आवश्यक है। घर आने वाले प्रगणक इसमें संशोधन करेंगे।

जनपद में सात मई से चल रही स्वगणना का काम लगातार तेजी की ओर है। प्रशासनिक अधिकारी इसके लिए जुटे हुए हैं। करीब 22 हजार से अधिक लोग इसको पूरा भी कर चुके हैं। स्वगणना के लिए 21 मई तक ऑनलाइन पोर्टल खुला रहेगा। जिला जनगणना अधिकारी– एडीएम वित्त– राजस्व डा. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि स्वगणना फॉर्म सिर्फ घर के मुखिया के नाम से भरा जाएगा। फॉर्म में घर की फर्श, छत, दीवार से लेकर मोटर–कार और इंटरनेट साधन का ब्योरा सहित कुल 33 सवालों के उत्तर दिए जाने हैं।

उन्होंने बताया कि यदि परिवार का कोई अन्य सदस्य स्वगणना फॉर्म भरता है, तो वह मुखिया के नाम से भर सकता है।

स्वगणना के लिए मोबाइल नंबर अनिवार्य है। नंबर पर आए ओटीपी से ही 33 प्रश्नों का सवालों का फॉर्म खुलता है। बताया कि यदि स्वगणना का फॉर्म भरने के दौरान कोई गलती हो जाए तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रगणक जब घर आएंगे, तो उन्हें अपनी जनगणना आईडी देनी होगी। प्रगणक त्रुटि में सुधार करेंगे। जिसके बाद आपका स्वगणना फार्म स्वीकार कर लिया जाएगा।

अवैध हथियार रखने पर एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सौंख बछगांव मार्ग पर वाटर प्लांट के समीप से अभियुक्त बच्चू सिंह निवासी बछगांव थाना मगोर्रा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं।

जयंती पर भगवान शनिदेव के मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शनि जयंती पर आज भगवान शनिदेव के छोटे और बड़े मंदिरों में सुबह से श्रद्धालु उमड़ पड़े। सबसे अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ कोसीकलां क्षेत्र के गांव कोकिलावन स्थित शनि देव मंदिर पर रही, यहां रात से भक्तों का पहुंचना शुरु हो गया था। श्रद्धालुओं ने मंदिर की परिक्रमा लगाकर कुंड में डुबकी लगाकर भगवान शनि देव का अभिषेक किया।

मंदिर के बाहर भक्तों ने साग–पूड़ी, हलुवा के भंडारे लगाए, कई जगह पानी की प्याऊ भी लगाई गईं।

मथुरा में कैंट काली मंदिर के पास स्थित शनि देव मंदिर, मसानी चौराहा स्थित शनि देव मंदिर, शहर के कई और शनि देव मंदिरों में विशेष पूजा- अर्चना की गई।

मथुरा–भरतपुर मार्ग स्थित सिद्ध शनि मंदिर में शनि जयंती पर शनिदेव का तेल से अभिषेक करते स्वामी विजयानंद सरस्वती के साथ भक्त।

मथुरा–भरतपुर मार्ग पर ग्राम मुडैसी स्थित सिद्ध शनिदेव मंदिर में भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव श्रद्धा-उल्लास के साथ मनाया गया। स्वामी विजयानंद सरस्वती के सानिध्य में भगवान शनिदेव का 1100 किलो सरसों के तेल से महाअभिषेक किया गया। इस अलौकिक दृश्य और महाअभिषेक का साक्षी बनने को दूर–दूर से हजारों श्रद्धालु मुड़ेसी धाम पहुंचे। मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच हुए इस अभिषेक से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शाम के समय महाराज ने भस्म आरती और छप्पन भोग अर्पित किया।

रात से देर सायं तक अभिषेक, सजे फूल बंगला

बलवे में शामिल आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस ने गांव हथकौली में जान से मारने की नीयत से बलवा कर मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, गांव हथकौली में इसी 21 मार्च को अभियुक्त धर्मेंद्र उर्फ सिप्पन, विष्णु, गोपाल उर्फ गजेंद्र, भोलू, नेत्रपाल, महेंद्र ,पंकज निवासी हथकौली द्वारा एक राय होकर जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में वांछित चल रहे भोलू उर्फ मनमोहन को गिरफ्तार किया है।

नीट पेपर लीक के विरोध में विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर के कार्यकर्ताओं ने बीएसए महाविद्यालय के मुख्य गेट के बाहर नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन करते हुए नीट का पुतला दहन किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। मेहनती छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं से पुतला छीनने की कोशिश की। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक धक्का–मुक्की और विरोध की स्थिति बनी रही, लेकिन परिषद कार्यकर्ता शांतिपूर्वक आंदोलन पर डटे रहे। कार्यकर्ताओं ने नीट के पुतले में आग लगाकर विरोध दर्ज कराया। पुतला दहन करने वालों में अमन शर्मा, अमन पांडे, साधना प्रजापति, अनमोल दुबे, हर्षित सक्सेना, विनीता शर्मा, कान्हा चतुर्वेदी, शिवा गौतम, मीनू सिसोदिया, तान्या बारोलिया, रश्मि निराला, सर्वेंद्र सिंह, कान्हा, सतवीर, विकास और इंद्र सैनी उपस्थित थे।

पुतला दहन करते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग में गूंजा राष्ट्र सेवा का मंत्र

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग का फीता काटकर शुभारंभ करते पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री–राज्य सभा सांसद अरुण सिंह, साथ हैं पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी जिला महानगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ बीते दिन केएम यूनिवर्सिटी पाली डूंगरा में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री-राज्य सभा सांसद अरुण सिंह ने जिला महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, राज्य सभा सांसद तेजवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक मेघश्याम सिंह, एमएलसी ओम प्रकाश सिंह के साथ पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति–नीति और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाने के साथ–साथ संगठनात्मक कार्यों में दक्षता प्रदान करता है। वर्ग प्रभारी यादवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन की रीढ़ होता है। इससे कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यशैली और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को समझने का अवसर मिलता है।

जिला महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने प्रशिक्षण वर्ग में सहभागिता के लिए सदस्यों आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है। जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया के इस दौर में प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी और संयम के साथ अपनी बात रखना चाहिए। दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन कल सांसद हेमा मालिनी करेंगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक कारिंदा सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत कांत गर्ग, पूर्व जिलाध्यक्ष डा. डीपी गोयल, पूर्व महापौर डॉ. मुकेश आर्य बंधु, महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी,ज्ञानेंद्र राणा, विनीत शर्मा, ललित गौतम, सुरेंद्र प्रधान और मनोज सौनोठ आदि उपस्थित थे।

अरुण सिंह ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

साध्वी ऋतंभरा और राम जन्मभूमि आंदोलन पुस्तक का लोकार्पण

साध्वी ऋतंभरा और राम जन्मभूमि आंदोलन पुस्तक का विमोचन करते गीतकार डा. कुमार विश्वास के साथ दीदी मां साध्वी ऋतंभरा आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम,संविद गुरुकुलम गर्ल्स सैनिक स्कूल में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में पदम विभूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा दीदी मां को समर्पित लेखक देवेंद्र शुक्ल द्वारा लिखित पुस्तक "साध्वी ऋतंभरा और राम जन्मभूमि आंदोलन" का कवि गीतकार डॉ. कुमार विश्वास ने लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर राष्ट्रभावना, संस्कृति और अध्यात्म के दिव्य आलोक से आलोकित हो उठा। कुमार विश्वास ने पुस्तक को राम जन्मभूमि आंदोलन के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पक्षों को जनमानस तक पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण कृति बताया ।

उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और लोक मंगलकारी व्यक्तित्व को सरल- काव्यमयी शैली में छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया। महर्षि दधीचि के त्याग, उदारता और जगत कल्याण की भावना का उल्लेख करते हुए उनके जीवन में समर्पण, अनुशासन और संस्कारों के महत्व को समझाया। महर्षि दधीचि के पुत्र पिप्पलाद और शनिदेव जयंती के महत्व से अवगत कराते हुए उन्होंने छात्राओं को जीवन में सफलता प्राप्त करने के प्रेरक सूत्र प्रदान किए।

साध्वी ऋतंभरा दीदी मां ने भी अपने उद्बोधन में भोजशाला आंदोलन, श्रीराम मंदिर निर्माण से पूर्व के संघर्षपूर्ण समय में अपने योगदान और अनुभवों को साझा किया। राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पण और जागरूकता का संदेश देते हुए सभी छात्राओं और उपस्थित जनों को आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक संजय भैया, विद्यालय निर्देशिका सुमन लता, साध्वी साक्षी, कमांडेंड ऑफ संविद ग्रुप स्कूल आईजी एचके शर्मा भी उपस्थित थे। संचालन राधिका राजपूत ने किया।

अनियंत्रित होकर खंभे से टकराई कार, तीन लोग घायल

यूनिक समय, वृंदावन। आज सुबह अद्धा पुलिस चौकी के निकट तेजी से जाती ईको कार का टायर यकायक फट गया, जिसके कारण वह अनियंत्रित होकर विद्युत खंभे से टकरा गई। इस दौरान एक बाइक उसकी चपेट में आ गई। फलस्वरुप तीन लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल भेजा गया है।

सपा नेता भाटी के खिलाफ पुलिस से शिकायत

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय हरियाणा ने सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को प्रार्थना पत्र इंस्पेक्टर कोतवाली को सौंपा।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए का बायोटेक विभाग बना शोध और नवाचार का केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। विज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकी के तेजी से बदलते दौर में जीएलए यूनिवर्सिटी का जैव प्रौद्योगिकी विभाग विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि शोध, नवाचार और वैश्विक स्तर की वैज्ञानिक सोच से भी जोड़ रहा है। एडमिशन सत्र के बीच विश्वविद्यालय का बायोटेक विभाग अपनी अत्याधुनिक "पौध ऊतक संवर्धन प्रौद्योगिकी" आधारित प्रयोगशालाओं और अनुसंधान कार्यों के कारण विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है।

बढ़ती जनसंख्या, सीमित कृषि भूमि, जलवायु परिवर्तन और पौधों में बढ़ते रोगों जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच "पौध ऊतक संवर्धन प्रौद्योगिकी" कृषि और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई क्रांति ला रही है। इसी आधुनिक तकनीक पर आधारित अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्य जीएलए यूनिवर्सिटी के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यहां विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि उन्हें अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में वास्तविक शोध और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से भी जोड़ा जाता है। विभाग की प्रयोगशालाओं में पौधों की सूक्ष्म कोशिकाओं, पत्तियों, जड़ों और तनों को विशेष पोषक माध्यम में विकसित कर नए पौधों का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया से रोगमुक्त, उच्च गुणवत्ता वाले और तेजी से विकसित होने वाले पौधे तैयार किए जाते हैं, जो भविष्य में खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि विकास के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। विभाग के विशेषज्ञ शिक्षकों डॉ. प्रदीप चौधरी, डॉ. अनुकूल वैष्णव, डॉ. अर्जुन सिंह चौहान, डॉ. गौरव सिंह और डॉ. खुशबू दसौनी के मार्गदर्शन में विद्यार्थी आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की उन्नत तकनीकों, रिसर्च पद्धतियों और प्रयोगात्मक कौशल को सीख रहे हैं। विभाग में विकसित अनुसंधान वातावरण छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार क्षमता और तकनीकी दक्षता प्रदान कर रहा है, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के बायोटेक विभाग में "पौध ऊतक संवर्धन प्रौद्योगिकी" कार्यशाला में रिसर्च करते शिक्षक और छात्र–छात्राएं।

जीएलए का बायोटेक प्रयोगशालाओं और अनुसंधान कार्यों के कारण विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र

विशेष रूप से असिस्टेंट प्रो. डॉ. खुशबू दसौनी का शोध कार्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। उन्होंने कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड से जैव प्रौद्योगिकी में पीएचडी की है और उत्तराखंड की विशेष हिमालयी प्रजाति कैनाबिस सैटिवा पर माइक्रोप्रोपेगेशन प्रोटोकॉल विकसित किया है। उनके शोध में नैनोकणों की सहायता से पौधों की वृद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता और औषधीय गुणों को बेहतर बनाने पर कार्य किया गया। इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें उत्तराखंड सरकार द्वारा लाइसेंस एवं "युवा वैज्ञानिक" सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

असिस्टेंट प्रो. डॉ. गौरव सिंह फ्रांस के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों सीएनआरएस इंस्टीट्यूट डी बायोलॉजी मॉलिक्यूलर डेस प्लांट्स और एक्स–मार्सेई इंस्टीट्यूट ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजीज में पोस्ट–डॉक्टोरल रिसर्च कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त डॉ. अनुकूल वैष्णव ने यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख और चेक एकेडमी ऑफ साइंसेज जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में शोध कार्य किया है। इन शिक्षकों का वैश्विक अनुभव विभाग को शोध और नवाचार के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान कर रहा है। आज केला, आलू, गन्ना, स्ट्रॉबेरी, अंगूर, सेब, अनार, ब्लूबेरी, ऑर्किड और अनेक औषधीय पौधों का उत्पादन बड़े स्तर पर इसी प्रौद्योगिकी के माध्यम से किया जा रहा है। यह तकनीक कम समय में बड़ी संख्या में पौध तैयार करने, दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण, रोगमुक्त फसलों के विकास और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह के अनुसार, जैव प्रौद्योगिकी और पौध ऊतक संवर्धन का क्षेत्र आने वाले समय में रोजगार, अनुसंधान और उद्योगों केलिए अपार संभावनाएं लेकर आ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वैज्ञानिक बनाना है जो समाज, कृषि और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोज सके।

जीएलए यूनिवर्सिटी का जैव प्रौद्योगिकी विभाग आज उन युवाओं के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर रहा है, जो रिसर्च, हेल्थ साइंस, फार्मा, कृषि, पर्यावरण और बायोटेक इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं। यहां विद्यार्थी प्रयोगशाला में वास्तविक अनुसंधान अनुभव प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास, वैज्ञानिक सोच और नवाचार क्षमता का विकास हो रहा है।

निश्चित रूप से पौध ऊतक संवर्धन तकनीक केवल एक वैज्ञानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य की हरित और आत्मनिर्भर दुनिया की मजबूत नींव है। जीएलए यूनिवर्सिटी की यह पहल आने वाले वर्षों में कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ–साथ युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है।

हेमा मालिनी के हाथों कल होगा पुस्तक का विमोचन

यूनिक समय, वृंदावन। 21वीं सदी के भक्त–प्रवर कविवर दास नारायण के कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत काव्य–संकलन "कृष्ण भक्ति पद" का विमोचन 17 मई को सायं छह बजे से आठ बजे तक गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी के सभागार में किया जाएगा।

मुंबई निवासी कविवर दास नारायण द्वारा रचित इस पुस्तक में लगभग 200 पद और भजनों का अनुपम संकलन है, जिसमें श्रीकृष्ण भक्ति की रसधारा सहज रूप से प्रवाहित होती है। पुस्तक का संपादन ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा ने किया है। समारोह की अध्यक्षता सांसद- अभिनेत्री हेमा मालिनी करेंगी। कार्यक्रम में भागवताचार्य अनिरुद्धाचार्य, धर्माचार्य डा. अनुराग पाठक का सानिध्य रहेगा।

विशिष्ट अतिथियों में जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता, उद्योगपति सुरेश चतुर्वेदी, उप्र मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार रहीस सिंह, वाणी प्रकाशन के प्रबंध निदेशक अरुण माहेश्वरी, पुस्तक के संपादक डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अदिति माहेश्वरी उपस्थित होंगे।

समारोह में कविवर दास नारायण रचित कृष्ण भक्ति के भजनों की संगीतमय प्रस्तुति कन्हैया चतुर्वेदी और सौरभ चतुर्वेदी द्वारा दी जाएगी। कविवर के जीवन पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी होगा।

अभ्युदय योजना में गेस्ट फैकल्टी भर्ती

मिलेगा दो हजार मानदेय

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग योजना के अंतर्गत अब मथुरा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलेगा। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि यूपीएससी, यूपीपीएससी, नीट, जेईई, एनडीए, सीडीएस, एसएससी और यूपीएसएसएससी (पेट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जनपद स्तर पर वर्चुअल और साक्षात कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इन कक्षाओं के संचालन के लिए योग्य, अनुभवी और

अभ्युदय योजना में पढ़ाने का मौका, 25 मई तक आवेदन

प्रतियोगी छात्रों को मिलेगा विशेषज्ञ मार्गदर्शन

यूपीएससी–नीट कोचिंग के लिए मथुरा में व्याख्याताओं की तलाश

प्रोफेशनल व्याख्याताओं को अतिथि प्रवक्ता के रूप में चयनित किया जाएगा। चयन प्रक्रिश जिला स्तरीय समिति की संस्तुति-ट्रायल लेक्चर के आधार पर पूरी होगी। चयनित व्याख्याताओं को प्रति 90 मिनट व्याख्यान के लिए 2000 रुपये मानदेय दिया जाएगा। एक अतिथि प्रवक्ता को प्रतिमाह अधिकतम 30 व्याख्यान लेने की अनुमति होगी।

अभ्युदय योजना के अंतर्गत इतिहास, भूगोल, पॉलिटी, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, गणित, रीजनिंग, हिन्दी–अंग्रेजी सहित नीट, जेईई और रक्षा सेवाओं से जुड़े विषयों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 25 मई तक जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय अथवा बीएसए कॉलेज स्थित कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

स्थापित एवं संचालित श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल रजि. मथुरा

ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडीकल कॉलेज, मथुरा

RECOGINISED BY INDIAN NURSING COUNCIL, NEW DELHI
AFFILIATED TO ATAL BIHARI VAJPAYEE MEDICAL UNIVERSITY, LUCKNOW (COLLEGE CODE: 2810069)
AFFILIATED TO U.P. STATE MEDICAL FACULTY, LUCKNOW (COLLEGE CODE: 0221)

B.Sc. नर्सिंग एवं अन्य कोर्सों में प्रवेश प्रारम्भ- 2026-27

योग्यता : इण्टरमीडिएट

COURSES OFFERED	PERIOD	ELIGIBILE CRITERIA
B.Sc. नर्सिंग (बैचलर ऑफ साइन्स इन नर्सिंग)	4 Year	भौतिक रसायन-जीव विज्ञान के साथ
GNM (जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी)	3 Year	विज्ञान/कला विषयों के साथ
ANM (ऑवजीलरी नर्स एण्ड मिडवाइफरी)	2 Year	विज्ञान/कला विषयों के साथ
OTT (डिप्लोमा इन ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन)	2 Year	विज्ञान विषयों के साथ

नर्सिंग कॉलेज परिसर में स्वयं का मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल

- जनरल मेडिसिन विभाग
- हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
- शल्य चिकित्सा विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति विभाग
- चर्म रोग एवं केश रोग विभाग
- नवजात एवं बाल रोग विभाग
- आई.सी.यू.
- एक्स-रे सुविधा
- पैथोलॉजी सुविधा
- डायलिसिस यूनिट
- अल्ट्रासाउण्ड विभाग
- 24X7 आपातकालीन विभाग

सुविधायें - (सीटें सीमित)

- न्यूनतम प्रशिक्षण शुल्क
- गर्ल्स हॉस्टल की सुविधा
- आर.ओ. व मीठे पानी की सुविधा
- जनरेटर की सुविधा
- बस सुविधा
- एयर कूल्ड कक्षायें
- सरकार द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा

मुख्य विशेषतायें

अनुभवी प्राध्यापक अध्यापक	शहर के मध्य स्थित कॉलेज
पूर्ण सुसज्जित लैब	स्मार्ट क्लासेज
ऑडियो/वीडियो फैसिलिटीज	स्वयं का अस्पताल एवं विभिन्न आधुनिक अस्पतालें से सम्बन्धता

सभी अभ्यार्थी जल्द से जल्द कॉलेज में आकर अपना पंजीकरण करायें।

सम्पर्क स्थल : दरेसी रोड, मथुरा (श्री कृष्ण जन्म स्थान के पास) फोन : 9997905954, 8979726557, 8979504557
E-mail: bcssnpc@gmail.com Web.: www.brijchikitsasansthan.org

एलीट स्कूल में छात्र परिषद अलंकरण समारोह

विद्यार्थियों ने ली जिम्मेदारी निभाने की शपथ

एलीट न्यू जनरेशन इंटरनेशनल स्कूल के छात्र परिषद अलंकरण समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं और शिक्षक।

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जनरेशन इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद अलंकरण समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय बैंड द्वारा मुख्य अतिथि दिनेश चंद अग्रवाल और संगीता अग्रवाल के स्वागत से हुआ। आकर्षक मार्च पास्ट और अनुशासित प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधन समिति ने नव–निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को बैज और सैश पहनाकर सम्मानित किया।

समारोह में अविरल चौधरी को हेड बॉय और अनुश्री प्रजापति को हेड गर्ल घोषित किया गया, दर्शिल सिंह और भूमि चौधरी को स्पोर्ट्स कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी गई। विभिन्न सदनों के हाउस कैप्टनों की घोषणा का विद्यार्थियों ने तालियों से स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सभी हाउस के विद्यार्थियों ने शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

कैप्टनों और शिक्षकों ने मशाल प्रज्वलित कर ईमानदारी, अनुशासन, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ ली। प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल ने कहा कि नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा बनने का माध्यम है। एडमिनिस्ट्रेटर मुकेश चौधरी और ओएसडी डॉ. सौरभ तिवारी ने विद्यार्थियों को अपने दायित्व निष्ठा और लगन से निभाने के लिए प्रेरित किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

खराब खाने का निवाला सेहत पर पड़ सकता है भारी

हो सकती हैं ये बीमारियां

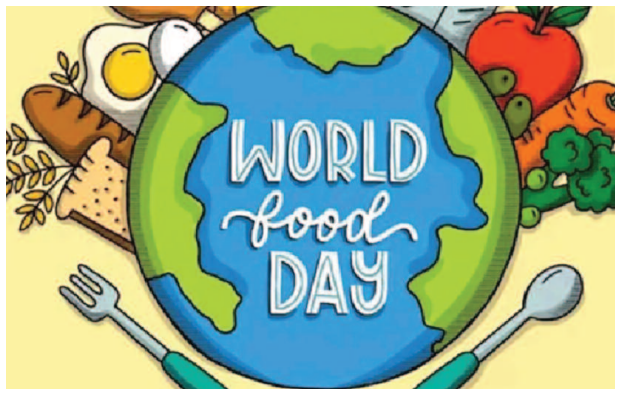

यूनिक समय, मथुरा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हर साल 7 जून को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में लोगों को भोजन की स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। वर्ष 2026 की थीम है -खाद्य सुरक्षा : विज्ञान के साथ सुरक्षित आहार यानी विज्ञान खाद्य सुरक्षा के केंद्र में है। इस दिन का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर 10 में से 1 व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और प्रतिदिन लगभग 16 लाख लोग खराब खाने से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करते हैं।

दूषित या असुरक्षित भोजन से शरीर में कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं, जो कभी-कभी खतरनाक भी साबित होती हैं। सबसे आम और खतरनाक स्थिति है फूड प्वाइजनिंग, जो दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया या विषैले तत्वों के कारण होती है। इसके लक्षणों में उल्टी, दस्त, मतली और शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) शामिल हैं। इसके अलावा फूड इंफेक्शन भी होता है, जो अधपके या खराब भोजन खाने से पेट दर्द, बुखार और कमजोरी जैसी समस्याएं उत्पन्न करता है। खराब भोजन से लिवर पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। दूषित भोजन से लिवर में संक्रमण हो सकता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और यह स्थिति धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है। इसके अलावा नोरोवायरस और हेपेटाइटिस अ जैसे वायरस दूषित भोजन और पानी के जरिए शरीर में प्रवेश कर मौसमी वायरल संक्रमण और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां फैला सकते हैं। इसलिए फूड सेफ्टी को लेकर जागरूक रहना और उचित कदम उठाना बेहद जरूरी है। कच्चे या अधपके खाद्य पदार्थों से बचें। खासकर मांस, अंडे और सब्जियों को अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। खाना बनाने और खाने से पहले कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोना अनिवार्य है, जिससे हाथों की सफाई बनी रहे। किचन के बर्तन, सतह और उपकरणों की नियमित सफाई करें ताकि भोजन में संक्रमण न हो। सीफूड, मीट और अंडे केवल तब ही खरीदें जब वे पूरी तरह ताजा हों। फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। खुले में रखा हुआ खाना या गंदा पानी पीने से बचें। हमेशा साफ और उबला हुआ पानी ही पिएं।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भोजन की सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति सावधानी रखना हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण है। विज्ञान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाना और खाद्य जनित बीमारियों को रोकना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि हम एक स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सकें।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय न करें ये छोटी-छोटी गलतियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना : मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना : हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना : यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोज़ाना लगाने वाली चीज़ नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना : भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है।

हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करें। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

भूनकर बनाएं मूंगदाल का हलवा, मिनटों में तैयार हो जाएगी ये रेसिपी

हर कोई दोबारा मांग कर खाएगा

यूनिक समय, मथुरा। मूंगदाल का हलवा खाने में बहुत स्वादिष्ट लगता है। आप चाहें तो घर में सिर्फ मूंग दाल से स्वादिष्ट हलवा बना सकते हैं। खासबात ये है कि आज हम आपको मूंग दाल हलवा बनाने की आसान ट्रिक बता रहे हैं। जानिए मूंगदाल हलवा की रेसिपी।

खाने के बाद लोग मीठा खाना पसंद करते हैं। भारत में घर आए मेहमानों को खाने के बाद कुछ मीठा जरूर सर्व किया जाता है। बाजार में वैसे को सभी तरह की मिठाई मिलती हैं। लेकिन घर की बनी मिठाई का स्वाद ही कुछ और होता है। घर में बना मूंगदाल का हलवा बहुत स्वादिष्ट लगता है। मूंगदाल का हलवा सभी सीजन में आसानी से मिल जाता है। हालांकि कुछ लोगों को मूंगदाल का हलवा बनाने में की जाने वाली मेहनत से डर लगता है। ऐसे में आज हम आपको एक बड़ी आसान और काम की ट्रिक बता रहे हैं जिससे आप फटाफट मूंगदाल का हलवा बना सकते हैं। इसके लिए मूंगदाल को पहले भूनकर फिर हलवा तैयार किया जाता है। आइये जानते हैं मूंगदाल के हलवा की रेसिपी।

बनाने की विधि: सबसे पहले आपको 2 बड़े कप धुली हुई मूंगदाल लेनी है। अब दाल को किसी कड़ाही में डालकर मीडियम फ्लेम पर अच्छी तरह से ब्राउन होने तक भून लें। अब दाल को ठंडा होने के लिए छोड़ दें। ठंडा होने पर मिक्सी में डालकर दरदरा पीस लें। मूंगदाल का हलवा दरदरी पिसी दाल से ज्यादा टेस्टी बनता है।

जिस कड़ाही में दाल को भूना है उसमें पिसी हुई मूंगदाल डालें और हल्का भूनें। अब दाल में करीब 1 कप देसी घी डालें और ब्राउन होने तक भून लें। जब दाल अच्छी तरह से भुन जाए तो इसमें पानी डालें और हल्का चलाते हुए गाढ़ा कर लें। अब हलवा में आधा कप मावा डाल दें।

सारी चीजों को मिलाते हुए करीब 1 कप चीनी मिला दें। अब हलवा को मीडियम फ्लेम पर पकने दें। मूंगदाल के हलवा को लगातार चलाते हुए पकाएं। जब हलवा तेल छोड़ने लगे तो गैस बंद कर दें। हलवा को कटे हुए काजू, बादाम और पिस्ता से गार्निश करें।

तैयार है टेस्टी मूंगदाल का हलवा। इसे आप गर्मागरम घर आए मेहमानों को सर्व करें। बारिश के दिनों में मूंगदाल का हलवा खाने में बहुत टेस्टी लगता है। खास बात ये है कि मूंगदाल का हलवा 3-4 दिन तक खराब नहीं होता है। आप इसे फ्रिज में रखकर आसानी से गर्म करके खा सकते हैं।

मटके में पानी भरने से पहले इन तरीकों से करें सफाई, फ्रिज जैसा ठंडा होगा पानी

यूनिक समय, मथुरा। अभी भी बहुत सारे लोग मटके का इस्तेमाल करते हैं या करना चाहते हैं। आपको मार्केट में आसानी से मटके मिल जाएंगे। ऐसे में आप अपने पसंद और बजट के हिसाब से मटके खरीद सकते हैं। वहीं आज हम आपको पहली बार मटके के इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

एक दौर था, जब पानी को ठंडा रखने के लिए मटके का इस्तेमाल किया जाता था। मटके में पूरा दिन पानी न सिर्फ ठंडा रहता है, बल्कि इसका स्वाद भी काफी अच्छा होता है। लेकिन जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी आती गई, वैसे-वैसे मटके का दौर खत्म हो गया। हालांकि अभी भी बहुत सारे लोग मटके का इस्तेमाल करते हैं या करना चाहते हैं।

आपको मार्केट में आसानी से मटके मिल जाएंगे। ऐसे में आप अपने पसंद और बजट के हिसाब से मटके खरीद सकते हैं। वहीं आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पहली बार मटके के इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

मटके को करें साफ : मटके को इस्तेमाल करने से पहले इसको अच्छे से साफ कर लें। हालांकि मटका धोने का तरीका थोड़ा अलग है। इसको साफ करने का एक अलग प्रोसेस होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मटके को कभी भी अंदर से नहीं धोना चाहिए। आप बाहर से मटके को अच्छे से धो लें और इसके अंदर हाथ डालकर न धोएं। हालांकि आप मटके के अंदर एक बार पानी डालकर बाहर निकाल लें।

नमक का पानी भरें : मटके में 2-3 बार पानी डालकर कुछ देर के लिए सुखाने को छोड़ दें। फिर एक बाउल में 1-2 चम्मच डालकर पानी डाल दें। अब इस पानी को अच्छे से मिक्स करें। फिर मटके में नमक वाला पानी डालकर इसे पूरी रात के लिए छोड़ दें। फिर पानी को मटके से बाहर निकालकर फेंक दे। इसके बाद मटके में साफ पानी भरें और मटके को अंदर से साफ करें। वहीं दोबारा नया पानी भरकर इस्तेमाल करें।

सूखने के लिए रख दें : मटके में पानी भरने से पहले इस प्रोसेस को जरूर अपनाएं। ऐसा करने से न मटका अच्छे से सूख जाएगा, बल्कि आपको किसी तरह की दिक्कत भी नहीं होगी। ऐसा करने से पानी में मटके का रंग भी नहीं चढ़ेगा। इसलिए जरूरी है कि आप मटके में नमक वाला पानी डालकर एक रात सूखने के लिए छोड़ दें।

मिट्टी के बर्तन पर रखें मटका : आप नॉर्मल मटका रखने की जगह मिट्टी के बर्तन के ऊपर इसको रखें। इससे पानी दोगुना ठंडा होगा। वहीं मटके के बराबर में एक प्लेट लें और उसके ऊपर मटका रखें और ढककर पानी का इस्तेमाल करें। वहीं इस मिट्टी को रोजाना बदलें। अगर आप ऐसा रोजाना नहीं कर पा रहे हैं, तो मिट्टी को साफ करके उसका दोबारा इस्तेमाल करें।

फिटकरी का इस्तेमाल : मटका भरने के बाद फिटकरी का इस्तेमाल करें। इसके लिए मटके में पहले ऊपर तक पानी भर दें। फिर साफ फिटकरी से पानी को हिलाएं। ऐसा करने से पानी साफ और शुद्ध हो जाएगा और आपकी भी परेशानी नहीं होगी।

आप चाहें तो इसके लिए साबुत फिटकरी या फिर फिटकरी के टुकड़ों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपका फायदा होगा। वहीं बाद में आप फिटकरी को छलनी की मदद से निकाल सकते हैं। अगर आपके पास कोई पुराना मटका पड़ा है, तो इसको दोबारा इस्तेमाल में ला सकती हैं। क्योंकि आप चावल, दाल या फिर चना आदि रखने के लिए पुराने मटके का इस्तेमाल कर सकती हैं। जरूर नहीं कि आप इन चीजों को रखने के लिए जार या डिब्बे का इस्तेमाल करें।

सुविचार

आप जितना सोचते हैं उससे कहीं अधिक मजबूत हैं।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	01:30-09:41 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	05:30-02:32 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:33 AM	चन्द्रोदय	5:25 AM
सूर्यास्त		6:57 PM	चंद्रास्त	7:57 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:48AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:17 PM: 06:57 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

यम द्वार से प्रारंभ होती है कैलाश पर्वत की परिक्रमा

अगर इस द्वार पर किसी ने बिताई रात तो हो जाएगी मौत !

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर क्षेत्र में कई धार्मिक और रहस्यों से भरे स्थान मौजूद हैं। कैलाश यात्रा पर जाने वाले लोग कैलाश के निकट स्थित इन जगहों पर भी अवश्य जाते हैं। कैलाश के पास मानसरोवर झील, अष्टपद, सप्तऋषि गुफाएं और यम द्वार धार्मिक रूप से बेहद खास स्थान हैं। इन सभी का अपना अलग महत्व है। ऐसे में आज हम आपको अपने इस लेख में यम द्वार से जुड़ी रहस्यमयी बातों और मान्यताओं के बारे में जनाकारी देने जा रहे हैं।

यम द्वार : यम द्वार का अर्थ है– मृत्यु के देवता का प्रवेश द्वार। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यम देव भगवान शिव के पवित्र कैलाश की रक्षा करते हैं। यम द्वार से होते हुए ही श्रद्धालु कैलाश पर्वत की परिक्रमा के लिए निकलते हैं, कैलाश परिक्रमा का यह प्रथम पड़ाव है। यम देवता की दिशा दक्षिण है इसलिए यम द्वार भी इसी दिशा में स्थित है। तिब्बती भाषा में यम द्वार को तारबोचे के नाम से पुकारा जाता है। यम द्वार पर एक ध्वज स्तंभ स्थापित रहता है जिसे हर वर्ष में एक बार पूर्णिमा के दिन बदला जाता है। इस दिन तिब्बती लोगों के द्वारा यहां धार्मिक आयोजन किया जाता है। कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाला हर श्रद्धालु यम द्वार से होकर कैलाश की परिक्रमा के लिए निकलता है। आपको बता दें कि साल 2025 में जून के अंतिम सप्ताह से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू हो जाएगी।

यम द्वार के रहस्य : कैलाश पर्वत के पास स्थित यम द्वार से जुड़े कई रहस्य भी हैं। माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति यहां रुके तो उसकी मृत्यु हो जाती है। कई ऐसी घटनाएं अतीत में घटित भी हुई हैं, जब लोगों ने इस द्वार के निकट रात बितानी चाही और अज्ञात कारणों से उनकी मृत्यु हो गई। विज्ञान भी इस बात का जवाब देने में असमर्थ है कि यहां रुकने पर लोगों की मृत्यु क्यों हो जाती है। लोक मान्यताओं के अनुसार, एक बार यम द्वार को पार करके आप कैलाश पर्वत की परिक्रमा के लिए निकल गए तो गलती से भी पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो नकारात्मकता आपको घेर सकती है।

हिंदू धर्म में यम द्वार से जुड़ी मान्यता : धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, यम देवता मृत्यु के बाद मनुष्य की आत्मा को उसके कर्मों के अनुसार गति देते हैं। शुभ कर्म करने वालों को जहां स्वर्ग की प्राप्ति होती है, वहीं पाप कर्म करने वाली आत्मा को नर्क मिलता है। यम लोक में हर आत्मा के कर्मों का लेखा जोखा लिखा होता है। चित्रगुप्त जो यमराज के लेखाकार हैं उनके पास आत्मा के पाप, पुण्य की संपूर्ण जानकारी होती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति मृत्यु से पूर्व यम द्वार से गुजरकर कैलाश की परिक्रमा कर ले तो उसके सभी बुरे कर्मों को चित्रगुप्त माफ कर देते हैं। ऐसा करने पर आत्मा को स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है। इसलिए यम द्वार का हिंदू धर्म में बड़ा स्थान माना गया है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल का दिन आपके लिए ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

वृषभ: कल धैर्य रखना आपके लिए जरूरी होगा। किसी पुराने काम में रुकावट आ सकती है, लेकिन अंत में सफलता मिलेगी। धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन: कल का दिन नए अवसर लेकर आएगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति संभव है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। संचार कौशल से लाभ होगा।

कर्क: कलभावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील रह सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा जिससे मन मजबूत रहेगा। कार्यस्थल पर मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

सिंह : कल आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नेतृत्व क्षमता से लोग प्रभावित होंगे। नौकरी में पदोन्नति के संकेत हैं। व्यापार में लाभ मिलेगा। पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या: कल का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य में हल्की परेशानी संभव है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला: कल संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। रिश्तों में सुधार आएगा। प्रेम जीवन में सकारात्मकता रहेगी। नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन आय के नए स्रोत भी बनेंगे। मानसिक शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक: कल भाग्य आपका साथ देगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। किसी बड़े निर्णय में सफलता मिल सकती है।

धनु : कल यात्रा या नई योजना बन सकती है। शिक्षा और करियर में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग हैं। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, वरना नुकसान हो सकता है।

मकर : कल मेहनत का फल मिलने का दिन है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ: कल नए विचार और योजनाएं सामने आएंगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में बदलाव के अवसर मिल सकते हैं।

मीन: कल का दिन आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण रहेगा। मन में सकारात्मक विचार आएंगे। करियर में धीरे–धीरे प्रगति होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

लोग नहीं करते आपकी कद्र तो सम्मान पाने के सरल उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। कई बार जीवन में ऐसा महसूस होता है कि हम जितना भी अच्छा व्यवहार करें, फिर भी लोग हमारी कद्र नहीं करते या बार–बार अपमान कर देते हैं। यह स्थिति आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है और रिश्तों में दूरी भी बढ़ा सकती है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में इस समस्या का गहरा विश्लेषण किया है और बताया है कि सम्मान केवल मांगने से नहीं मिलता, बल्कि अपने व्यवहार और आदतों से अर्जित किया जाता है।

चाणक्य नीति के अनुसार, सबसे पहली गलती जरूरत से ज्यादा झुकना है। जो लोग हर बात में दूसरों को खुश

करने की कोशिश करते हैं और अपनी राय व्यक्त नहीं करते, उन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। सम्मान पाने के लिए संतुलन जरूरी है–न तो अत्यधिक कठोरता और न ही अत्यधिक झुकाव।

दूसरी महत्वपूर्ण बात आत्मसम्मान और अहंकार के बीच अंतर समझना है। आत्मसम्मान का अर्थ है अपनी सीमाओं को जानना और गलत बात पर चुप न रहना। जो व्यक्ति खुद की इज्जत करता है, समाज भी धीरे–धीरे उसे सम्मान देने लगता है। चाणक्य यह भी कहते हैं कि हर किसी के साथ अपनी निजी बातें साझा करना सही नहीं है। कमजोरियों को हर किसी के सामने बताने से लोग उनका गलत फायदा उठा सकते हैं, जिससे व्यक्ति का अपमान बढ़ सकता है। गलत संगति भी सम्मान में कमी का बड़ा कारण मानी गई है। यदि व्यक्ति ऐसे लोगों के साथ रहता है जो नकारात्मक या अनैतिक व्यवहार करते हैं, तो समाज उसकी छवि भी वैसी ही बना लेता है। इसलिए सही संगति का चयन बेहद जरूरी है।

इसके अलावा, बिना सोचे–समझे बोलना भी रिश्तों को नुकसान पहुंचाता है। गुस्से में कही गई बातें लंबे समय तक अपमान का कारण बन सकती हैं। इसलिए बोलने से पहले सोचने की आदत विकसित करनी चाहिए।

अंत में चाणक्य नीति यही संदेश देती है कि सम्मान पाने के लिए सबसे पहले खुद को सुधारना जरूरी है। जब व्यक्ति अपने व्यवहार, संगति और शब्दों पर नियंत्रण रखता है, तो समाज भी उसे उसी दृष्टि से देखता है और सम्मान स्वतः प्राप्त होने लगता है।

सीढ़ियों पर बैठना अशुभ क्यों माना जाता है वास्तुशास्त्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर में सीढ़ियों पर बैठने की आदत को कई लोग सामान्य व्यवहार मानते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार इसे शुभ नहीं माना जाता। माना जाता है कि घर केवल ईंट और दीवारों का ढांचा नहीं, बल्कि ऊर्जा का एक जीवंत केंद्र होता है, जहां सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। सीढ़ियां इस ऊर्जा के आवागमन का प्रमुख मार्ग मानी जाती हैं, जो घर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक ऊर्जा को प्रवाहित करती हैं।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार सीढ़ियों पर लंबे समय तक बैठना इस ऊर्जा प्रवाह को बाधित कर सकता है। जब यह प्रवाह रुकता या असंतुलित होता है, तो उसका असर धीरे–धीरे

घर के वातावरण पर दिखाई देने लगता है। लोगों के बीच बिना वजह तनाव, छोटी–छोटी बातों पर बहस और मानसिक अशांति जैसी स्थितियां बढ़ सकती हैं। कई बार परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमियां भी उत्पन्न हो सकती हैं, जिन्हें लोग सामान्य घरेलू समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। ज्योतिष की दृष्टि से भी सीढ़ियों को जीवन में प्रगति और उन्नति का प्रतीक माना गया है।

यह ऊपर उठने और आगे बढ़ने की दिशा को दर्शाती हैं। ऐसे में सीढ़ियों पर बैठने को प्रगति में बाधा का संकेत माना जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार यह आदत शनि और राहु ग्रह के प्रभाव से जुड़ी हो सकती है, जो जीवन में रुकावटें और देरी का कारण बनते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता। कहा जाता है कि इससे धन प्रवाह में अस्थिरता आ सकती है और मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते। व्यक्ति को बार–बार आर्थिक उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे मानसिक दबाव भी बढ़ता है। इसके अलावा, सीढ़ियों पर बैठना शारीरिक दृष्टि से भी सुरक्षित नहीं माना जाता क्योंकि यह स्थान लगातार आवाजाही के लिए होता है। इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

धूल और गंदगी के कारण सांस संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह अधिक हानिकारक हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार बेहतर यही है कि सीढ़ियों का उपयोग केवल आने–जाने के लिए किया जाए और वहां बैठने की आदत से बचा जाए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन बना रहे।

सम्पादकीय

फाइलों की चाल से कैसे बदलेगा उत्तर प्रदेश

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ उत्तर प्रदेश को भी तेजी से विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने का दावा किया जा रहा है। "विकसित उत्तर प्रदेश" के विजन के तहत बड़े पैमाने पर सड़क, उद्योग, आवास, पेयजल और शहरी विकास से जुड़ी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह बताती है कि विकास की रफ्तार और प्रशासनिक फाइलों की चाल के बीच अब भी बड़ा अंतर मौजूद है।

प्रदेश में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा और बजट आवंटन समय पर हो जाता है, लेकिन उनका समयबद्ध क्रियान्वयन अक्सर चुनौती बन जाता है। निर्माण कार्यों में देरी, टेंडर प्रक्रिया में लंबा समय और फाइलों

पवन गौतम
संपादक

का विभिन्न स्तरों पर अटक जाना विकास की गति को प्रभावित करता है। परिणामस्वरूप कई योजनाएं तय समय पर पूरी नहीं हो पातीं और उनकी लागत भी बढ़ जाती है। लोक निर्माण विभाग, जल जीवन मिशन और शहरी विकास से जुड़े विभागों पर प्रदेश के विकास की बड़ी जिम्मेदारी है। लेकिन इन विभागों में तकनीकी स्वीकृति, प्रशासनिक मंजूरी और भुगतान प्रक्रिया में होने वाली देरी कई बार काम को धीमा कर देती है। ठेकेदारों को समय पर भुगतान न मिलने से भी परियोजनाएं प्रभावित होती हैं और काम की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। प्रदेश सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे आयोजनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लेकिन इन निवेशों को धरातल पर उतारने के लिए मजबूत और तेज प्रशासनिक व्यवस्था जरूरी है। यदि परियोजनाएं कागजी प्रक्रिया में उलझती रहीं तो निवेश का वास्तविक लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाएगा। सबसे बड़ी समस्या यह है कि प्रशासनिक व्यवस्था अभी भी कई स्तरों पर धीमी कार्यप्रणाली से जूझ रही है। ई-गवर्नेंस और डिजिटल प्रणाली के बावजूद कई फाइलें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर तक लंबे समय तक लंबित रहती हैं। यही "फाइलों की कछुआ चाल" विकास की असली बाधा बन चुकी है। यदि उत्तर प्रदेश को वास्तव में विकसित राज्य बनाना है, तो केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है कि मंजूरी, निगरानी और क्रियान्वयन की प्रक्रिया को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जाए। तकनीक का सही उपयोग, समयबद्ध लक्ष्य और जवाबदेही तय करना ही इस समस्या का समाधान है। विकास तभी संभव है जब योजनाएं कागजों से निकलकर जमीन पर तेजी से उतरें और फाइलें गति पकड़ें, ताकि "विकसित उत्तर प्रदेश" का सपना वास्तविकता बन सके।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

छोटी बचत से सुरक्षित बनता है सम्मानजनक और सुखद बुढ़ापा

बोध प्रकाश सगुणी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में आर्थिक सुरक्षा केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। हर व्यक्ति अपने जीवन के शुरुआती वर्षों में शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय और परिवार की जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाता है कि वह अक्सर अपने रिटायरमेंट की योजना को टाल देता है। लेकिन समय किसी के लिए नहीं रुकता और एक दिन ऐसा आता है जब नियमित आय का स्रोत कम या समाप्त हो जाता है, जबकि खर्च लगातार बढ़ते रहते हैं। ऐसे में यदि समय रहते बचत और निवेश की आदत विकसित न की जाए, तो बुजुर्गावस्था आर्थिक तनाव और निर्भरता का कारण बन सकती है।

भारत जैसे देश में जहां नौकरीपेशा, किसान, मजदूर और असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोग कार्यरत हैं, वहां आर्थिक सुरक्षा का ढांचा बहुत विविध है। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन जैसी सुविधाएं मिल जाती हैं, लेकिन बड़ी आबादी ऐसी है जिसके पास सेवानिवृत्ति के बाद कोई निश्चित आय का साधन नहीं होता। यही कारण है कि व्यक्तिगत स्तर पर बचत और निवेश की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

यदि व्यक्ति अपने जीवन के सक्रिय वर्षों में ही अपनी आय का एक छोटा हिस्सा नियमित रूप से बचाना शुरू कर दे और उसे सही योजनाओं में निवेश करे, तो रिटायरमेंट के समय एक मजबूत वित्तीय आधार तैयार किया जा सकता है। यह छोटी-छोटी बचत धीरे-धीरे एक बड़ा कोष बन जाती है, जो जीवन के अंतिम पड़ाव में आर्थिक सहारा देती है।

सेवानिवृत्ति के बाद सबसे बड़ी चुनौती नियमित आय बनाए रखने की होती है। इसी जरूरत को देखते हुए सरकार और वित्तीय संस्थानों ने कई योजनाएं शुरू की हैं, जो वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित और स्थिर आय प्रदान करती हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल पैसा बचाना नहीं, बल्कि जीवन को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना एक ऐसी ही लोकप्रिय योजना है, जिसमें 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग सुरक्षित निवेश कर सकते हैं। इसमें मिलने वाला निश्चित ब्याज और तिमाही भुगतान वरिष्ठ नागरिकों को नियमित आय का भरोसा देता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो जोखिम से दूर रहकर सुरक्षित रिटर्न चाहते हैं।

इसी तरह डाकघर मासिक आय योजना भी एक सरल और भरोसेमंद विकल्प है। इसमें एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने निश्चित आय प्राप्त होती है, जिससे बुजुर्ग अपने दैनिक खर्च आसानी से चला सकते हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों में यह योजना विशेष रूप से लोकप्रिय है क्योंकि यह स्थिरता और सुरक्षा दोनों प्रदान करती है।

बैंक की सावधि जमा योजनाएं भी लंबे समय से लोगों की पहली पसंद रही हैं। वरिष्ठ नागरिकों को इन योजनाओं में सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज मिलता है, जिससे उनकी आय में थोड़ा अतिरिक्त लाभ जुड़ जाता है। यह एक ऐसा विकल्प है जिसमें जोखिम लगभग नहीं होता और पूंजी सुरक्षित रहती है।

वर्तमान समय में म्यूचुअल फंड का सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान भी रिटायरमेंट प्लानिंग का एक आधुनिक माध्यम बनता जा रहा है। इसमें व्यक्ति एक बार निवेश करता है और फिर नियमित अंतराल पर निश्चित राशि निकाल सकता है। हालांकि इसमें बाजार का जोखिम शामिल होता है, इसलिए सही योजना का चयन और विशेषज्ञ सलाह आवश्यक होती है।असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए अटल पेंशन योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच है। इस योजना के माध्यम से कम उम्र में ही छोटे-छोटे योगदान करके 60 वर्ष के बाद निश्चित मासिक पेंशन प्राप्त की जा सकती है। यह योजना उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जिनके पास कोई अन्य पेंशन सुविधा नहीं है।

बचत और निवेश केवल धन संग्रह का साधन नहीं हैं, बल्कि यह आत्मसम्मान और स्वतंत्र जीवन की आधारशिला भी हैं। जब व्यक्ति आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होता है, तो वह अपने निर्णय स्वयं ले सकता है और दूसरों पर निर्भर नहीं रहता। यह स्वतंत्रता जीवन के अंतिम वर्षों में मानसिक शांति और आत्मविश्वास प्रदान करती है।

आज के समय में बढ़ती महंगाई, स्वास्थ्य खर्च और जीवनशैली में बदलाव को देखते हुए केवल वर्तमान आय पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। एक मजबूत वित्तीय योजना ही भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षा दे सकती है। छोटी-छोटी बचत, अनुशासित निवेश और समय पर योजना बनाना ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी है।

अक्सर लोग सोचते हैं कि बचत केवल बड़े वेतन या अधिक आय वाले लोगों के लिए जरूरी है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। कम आय में भी यदि अनुशासन के साथ बचत की जाए, तो धीरे-धीरे एक मजबूत आर्थिक आधार तैयार किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शुरुआत समय पर हो, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो। वित्तीय विशेषज्ञ भी मानते हैं कि रिटायरमेंट प्लानिंग जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना बेहतर परिणाम मिलता है। युवावस्था में किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ता है और चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ भी अधिक मिलता है। यही कारण है कि समय को सबसे बड़ा निवेश माना जाता है। सरकार की विभिन्न योजनाएं और बैंकिंग उत्पाद निश्चित रूप से सुरक्षा प्रदान करते हैं, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी व्यक्ति की अपनी होती है। यदि व्यक्ति जागरूक होकर सही समय पर निर्णय ले, तो वह अपने बुढ़ापे को आर्थिक संकट नहीं, बल्कि सम्मानजनक और सुरक्षित बना सकता है।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि बुढ़ापा केवल उम्र का पड़ाव नहीं, बल्कि जीवन का वह चरण है जिसमें सबसे अधिक सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत होती है। यदि आज बचत और निवेश की आदत को गंभीरता से अपनाया जाए, तो कल का जीवन न केवल सुरक्षित होगा, बल्कि आत्मनिर्भर और सम्मानजनक भी होगा।

विचार विण्डो

कागजी घोड़े नहीं रुकेंगे हादसे अब तकनीक से बचेगी जान

राम प्रकाश वर्मा

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए हालिया निर्देश न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि यह भी स्पष्ट करते हैं कि भारत में सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा अभी भी कागजों और आदेशों तक ही सीमित रह गई है। कोर्ट ने यह साफ कहा है कि किसी भी सार्वजनिक परिवहन वाहन को तब तक फिटनेस सर्टिफिकेट या परमिट जारी नहीं किया जाना चाहिए, जब तक उसमें व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और इमरजेंसी पैनिक बटन की अनिवार्य रूप से स्थापना और उसका सही तरीके से कार्य करना सुनिश्चि त न हो।

यह निर्देश केवल तकनीकी सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे आम नागरिकों-विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों-की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। निर्भया कांड के बाद देश में सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में कई कदम उठाए गए थे, लेकिन उनका प्रभाव जमीन पर कितना पड़ा, यह आज भी गंभीर चिंता का विषय है।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय और राज्य सरकारों ने समय-समय पर यह निर्देश जारी किए कि सभी सार्वजनिक वाहनों में ट्रैकिंग सिस्टम और पैनिक बटन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। कागजों पर तो यह व्यवस्था लागू हो गई, लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी बहुत कम प्रतिशत वाहनों में यह उपकरण ठीक से काम कर रहे हैं या लगे हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी विफलता पर चिंता जताई है। यह स्थिति दर्शाती है कि हमारे देश में नीतियाँ बनाने और उन्हें लागू करने के बीच एक गहरी खाई मौजूद है। कानून बनाना आसान है, लेकिन उसे जमीनी स्तर पर लागू करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है।

हाल ही में दिल्ली और अन्य स्थानों पर सार्वजनिक परिवहन में हुई आपराधिक घटनाओं ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जब निगरानी और त्वरित सहायता प्रणाली कमजोर होती है, तब अपराधियों के हौसले बढ़ जाते हैं। बसों और अन्य सार्वजनिक वाहनों में सुरक्षा उपकरणों की अनुपस्थिति अपराधियों के लिए एक सुरक्षित माहौल तैयार कर देती है।

यदि वाहनों में पैनिक बटन और ट्रैकिंग सिस्टम पूरी तरह सक्रिय हों, तो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या नियंत्रण कक्ष को सूचना दी जा सकती है। इससे न केवल अपराध रोकने में मदद मिलेगी, बल्कि अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी भी संभव होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण सुझाव यह भी दिया है कि वाहन निर्माताओं को इन सुरक्षा

उपकरणों को पहले से ही वाहनों में फिट करके देना चाहिए। यह सुझाव अत्यंत व्यावहारिक है क्योंकि जब तक यह जिम्मेदारी केवल वाहन मालिकों या परिवहन विभाग पर रहेगी, तब तक इसके क्रियान्वयन में ढिलाई बनी रहेगी।

यदि निर्माता स्तर पर ही इन उपकरणों को अनिवार्य कर दिया जाए, तो किसी भी वाहन के सड़क पर आने से पहले उसकी सुरक्षा मानकों की पुष्टि हो सकेगी। यह व्यवस्था न केवल प्रशासनिक बोझ को कम करेगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब सुरक्षा उपकरणों को लेकर ऐसी स्थिति सामने आई हो। अक्टूबर 2015 के बाद सभी वाहनों में स्पीड लिमिटिंग डिवाइस लगाने के आदेश भी जारी किए गए थे। लेकिन उनका क्रियान्वयन भी कई राज्यों में अधूरा ही रहा।

कई राज्यों में तकनीकी ढांचे की कमी, निगरानी तंत्र का अभाव और प्रवर्तन एजेंसियों की ढिलाई के कारण यह व्यवस्था प्रभावी नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों में अपेक्षित कमी नहीं आ सकी।

सबसे बड़ी समस्या यही है कि हमारे देश में कई सुरक्षा उपाय केवल कागजों पर चलते हैं। नियम बनते हैं, आदेश जारी होते हैं, लेकिन उनकी निगरानी और अनुपालन पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना आवश्यक है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे "कागजी घोड़े" दौड़ाने की प्रवृत्ति पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की है।

यह स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि सार्वजनिक सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर हमारी प्राथमिकताएँ अभी भी स्पष्ट नहीं हैं।

सार्वजनिक परिवहन में सबसे अधिक जोखिम महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को होता है। पैनिक बटन और ट्रैकिंग सिस्टम जैसी तकनीकें उनके लिए सुरक्षा कवच की तरह काम कर सकती हैं। किसी भी आपात स्थिति में एक बटन दबाकर सहायता प्राप्त करना आज के तकनीकी युग में कोई कठिन कार्य नहीं होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि जिन उपकरणों को सुरक्षा के लिए अनिवार्य बनाया गया है, वे ही या तो काम नहीं करते या फिर उनका सही तरीके से उपयोग नहीं होता।

कई टीमों का बिगड़ सकता हैं समीकरण

प्लेऑफ से बाहर हुई मुंबई लखनऊ अब बनीं गेम चेंजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स भले ही सबसे पहले प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई हों, लेकिन अब यही दोनों टीमें बाकी दावेदारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनती नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद दोनों टीमों ने अपने प्रदर्शन से प्लेऑफ की रेस को और रोमांचक बना दिया है।

सीजन की शुरुआत से ही मुंबई और लखनऊ का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। दोनों टीमें लगातार हार के कारण अंक तालिका में निचले पायदान पर पहुंच गईं और एक ही दिन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गईं। हालांकि इसके बाद दोनों टीमों ने मजबूत वापसी करते हुए बाकी टीमों के समीकरण बिगाड़ने शुरू कर दिए।

मुंबई इंडियंस ने हाल ही में पंजाब किंग्स को रोमांचक मुकाबले में हराकर उसे बड़ा झटका दिया। इस हार के बाद पंजाब की टीम 13 अंकों पर अटक गई और उसकी टॉप–4 की राह मुश्किल हो गई। वहीं अगले ही दिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसकी प्लेऑफ उम्मीदों को बड़ा नुकसान पहुंचाया।

अब दोनों टीमों के बाकी मुकाबले भी प्लेऑफ की तस्वीर बदल सकते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स को अपने अंतिम मैच राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं। यदि लखनऊ इन मुकाबलों में जीत दर्ज करती है तो राजस्थान और पंजाब दोनों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

दूसरी ओर मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स से भिड़ना है। कोलकाता की स्थिति पहले ही कमजोर है, जबकि राजस्थान अब भी प्लेऑफ की उम्मीद लगाए हुए है। ऐसे में मुंबई की जीत राजस्थान के अभियान को बड़ा झटका दे सकती है। पंजाब किंग्स की राह भी आसान नहीं है। उसे लखनऊ से पहले अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है। लगातार दो हार पंजाब को टूर्नामेंट से बाहर कर सकती हैं।

आईपीएल 2026 में अब मुकाबला सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि दूसरे टीमों के समीकरण बिगाड़ने का भी बन गया है।

अफेयर की चर्चाओं के बीच केनीशा फ्रांसिस ने छोड़ा चेन्नई

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ अभिनेता रवि मोहन उर्फ जयम रवि के साथ रिश्तों की चर्चाओं के बीच सिंगर केनीशा फ्रांसिस ने सोशल मीडिया और चेन्नई छोड़ने का ऐलान कर दिया है। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए उनके लंबे पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। रवि मोहन और उनकी पत्नी आरती के तलाक की खबरों के बाद से ही केनीशा का नाम अभिनेता के साथ जोड़ा जा रहा था। दोनों को कई बार साथ देखा गया, जिसके चलते केनीशा को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। कई यूजर्स ने उन्हें 'होम ब्रेकर' तक कहा। अब केनीशा ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस कहानी में प्यार के साथ आई थीं, लेकिन अब खामोशी के साथ जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक ऐसे इंसान की रक्षा करने की कोशिश की, जिसके बारे में दुनिया पहले ही अपनी राय बना चुकी थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "अब वह पूरी तरह से आप लोगों के हैं। अब कोई सफाई नहीं होगी, न कोई लड़ाई।" उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन बुलीइंग, आरोपों और लगातार हो रही आलोचनाओं के कारण वह चेन्नई छोड़ रही हैं और अपने संगीत व थेरेपी से भी दूरी बना रही हैं। केनीशा ने आगे लिखा कि आज के समय में लोग सच्चाई से ज्यादा बनाई गई कहानियों पर भरोसा करते हैं। पोस्ट के आखिर में उन्होंने लिखा, "आज से नारीवाद जीत गया, खुशी हार गई। सिंगर ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स से लॉग आउट करने की बात कही है और लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की है।

दुर्लभ बीमारी ने बदल दी अनिरुद्ध अग्रवाल की जिंदगी

आईआईटी रुड़की से पढ़ा इंजीनियर बना फिल्मों का 'शैतान'

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई कलाकार ऐसे रहे हैं जिन्होंने इंजीनियरिंग या दूसरी प्रोफेशनल पढ़ाई छोड़कर अभिनय की दुनिया में नाम कमाया। लेकिन अभिनेता अनिरुद्ध अग्रवाल की कहानी सबसे अलग मानी जाती है। आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अनिरुद्ध बाद में हिंदी फिल्मों के सबसे चर्चित 'राक्षस' और 'शैतान' बन गए।

1949 में देहरादून में जन्मे अनिरुद्ध अग्रवाल पढ़ाई में काफी तेज थे। परिवार की इच्छा पर उन्होंने इंजीनियरिंग की और देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी रुड़की से शिक्षा हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मुंबई का रुख किया और

अभिनय की दुनिया में कदम रखा।

हालांकि इसी दौरान उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। उन्हें पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर की दुर्लभ बीमारी हो गई, जिसकी वजह से उनके शरीर और चेहरे की बनावट असामान्य रूप से बदलने लगी। उनकी लंबाई बढ़ गई और चेहरा भी अलग दिखाई देने लगा। यही बदलाव आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।

रामसे ब्रदर्स ने उनकी इसी अलग कद–काठी और चेहरे को देखकर 1984 की हॉरर फिल्म 'पुराना मंदिर' में शैतान का किरदार दिया। खास बात यह रही कि इस भूमिका के लिए उन्हें ज्यादा मेकअप की जरूरत नहीं पड़ती थी। एक इंटरव्यू में अनिरुद्ध ने बताया था कि रामसे ब्रदर्स ने उन्हें देखते ही फिल्म के लिए चुन लिया था।

इसके बाद अनिरुद्ध अग्रवाल हिंदी हॉरर फिल्मों का जाना–पहचाना चेहरा बन गए। उन्होंने 'बंद दरवाजा', 'त्रिमूर्ति', 'गुब्बारे', 'तलाशः द हंट बिगिन्स' और आमिर खान की फिल्म 'मेला' में भी काम किया।

एक दौर में हॉरर फिल्मों के सबसे डरावने चेहरे माने जाने वाले अनिरुद्ध अब फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन हिंदी सिनेमा में उनका योगदान आज भी याद किया जाता है।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

शादी और बच्चों पर शेफाली शाह का बयान चर्चा में

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'दिल्ली क्राइम', 'जलसा' और 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय से पहचान बना चुकी अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने शादी, रिश्तों और पेरेंटहुड को लेकर खुलकर अपनी राय रखी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है।

लिली सिंह के साथ बातचीत में शेफाली शाह ने कहा कि कम उम्र में शादी जैसे बड़े फैसले नहीं लेने चाहिए। उनके अनुसार, जब इंसान खुद को ही ठीक से नहीं समझ पाता, तब रिश्तों की जिम्मेदारी उठाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि शादी बहुत मेहनत का रिश्ता है और इसे समझदारी से निभाना जरूरी है।

बातचीत के दौरान जब 37 वर्षीय लिली सिंह ने बताया कि उन्होंने अब तक शादी नहीं की है, तो शेफाली ने मजाकिया अंदाज में कहा, "मुझे पता है कि इसके लिए ट्रोल किया जाएगा, लेकिन मैं कहूंगी कि बच्चे पैदा मत करो, कुत्ते पाल लो। जिंदगी में सबसे ज्यादा बिना शर्त प्यार कुत्ते ही देते हैं। शेफाली शाह के इस बयान पर लोगों की मिली–जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ यूजर्स ने उनकी बात को ईमानदार और व्यावहारिक बताया, जबकि कई लोगों ने इसे परिवार और पेरेंटहुड के खिलाफ मानते हुए आलोचना की।

बता दें कि शेफाली शाह खुद दो बेटों की मां हैं और उन्हें डॉग लवर के रूप में भी जाना जाता है।

'चिट सेलिब्रेशन' पर मचा बवाल

आकाश सिंह को डेल स्टेन और रायुडू ने लगाई फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में खिलाड़ियों के अनोखे सेलिब्रेशन लगातार चर्चा में हैं, लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आकाश सिंह का 'चिट सेलिब्रेशन' अब विवाद का कारण बन गया है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद उनका यह अंदाज क्रिकेट दिग्गजों को बिल्कुल पसंद नहीं आया।

आकाश सिंह ने मैच में 26 रन देकर तीन विकेट झटके। हर विकेट लेने के बाद वह अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालकर कैमरे की ओर दिखाते नजर आए। बाद में पता चला कि उस पर्ची पर लिखा था आकाश जानता है कि टी20 में विकेट कैसे लिए जाते हैं।

हालांकि यह सेलिब्रेशन सोशल

मीडिया पर वायरल हो गया, लेकिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने इसकी कड़ी आलोचना की। ईएसपीएनक्रिकइन्फो पर बातचीत के दौरान रायुडू ने कहा कि यह अंदाज "मजाकिया और पूरी तरह बकवास" है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसने आकाश को यह सलाह दी कि ऐसा करना "कूल" लगेगा।

रायुडू ने यहां तक कह दिया कि खिलाड़ियों को मैदान में इस तरह की पर्चियां लाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के 'चिट सेलिब्रेशन' पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर की। स्टेन ने लिखा, अब समय आ गया है कि इन पर्चियों को बंद किया जाए। यह कभी ट्रेंड में था ही नहीं।

विवाद बढ़ने के बाद आकाश सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि यह सेलिब्रेशन उन्हें मानसिक रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सिर्फ खुद को मोटिवेट करना है और वह इसे आगे भी जारी रखेंगे।

गौरतलब है कि इस सीजन में उर्विल पटेल और रघु शर्मा भी इसी तरह के सेलिब्रेशन करते नजर आ चुके हैं, जिसके बाद यह नया ट्रेंड बनता दिखाई दे रहा है।

ममता की मिसाल बनी मां

चार बच्चों की बचा गई जान

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी इलाके में एक मां ने अपने चार बच्चों की जान बचाने के लिए खुद को आग की लपटों में झोंक दिया। भीषण आग और धुएं के बीच करीब आधे घंटे तक बच्चों को बचाने के लिए संघर्ष करती रही मां आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई, लेकिन अपने मासूमों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रही।

घटना 12 मई की रात नैनी बाजार स्थित चैंपियन गली की है, जहां 'संजीवनी क्रॉकरी' नाम से दुकान चलाने वाले परिवार के मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय महिलाएं और बच्चे ऊपरी मंजिल पर फंसे हुए थे। गली संकरी होने के कारण दमकल की गाड़ियां देर से पहुंच सकीं।

मृतका अर्चना केसरवानी ने पहले अपने एक वर्षीय बेटे को चादर में लपेटकर पड़ोसी की छत की ओर बढ़ाया, जहां लोगों ने उसे सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद उसने सीढ़ी के सहारे अपनी 13 वर्षीय और 10 वर्षीय बेटियों को पड़ोसी की छत पर पहुंचाया। उसने अपने भतीजे लव को भी सुरक्षित बाहर निकाल दिया।

बच्चों को बचाने की कोशिश में अर्चना खुद धुएं और आग के बीच फंस गई। गंभीर रूप से झुलसने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में उसकी बड़ी बेटी भी झुलस गई, जिसका इलाज आईसीयू में चल रहा है। वहीं अर्चना की भाभी सरिता ने जान बचाने के लिए पहली मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया।

आग इतनी भयावह थी कि उसे बुझाने में 12 दमकल गाड़ियों को तड़के चार बजे तक मशक्कत करनी पड़ी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोग अर्चना की बहादुरी और ममता को सलाम कर रहे हैं।

पेपर लीक का लालच देकर छात्रा पर बनाया दबाव, प्रोफेसर गिरफ्तार

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह को छात्रा से आपत्तिजनक बातचीत और पेपर लीक का लालच देकर मिलने का दबाव बनाने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आरोप है कि प्रोफेसर ने बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा को फोन कर कहा, "डार्लिंग, तुम्हारे लिए पेपर आउट कर दिया है, आकर मिलो।" छात्रा ने बातचीत रिकॉर्ड कर ली और बाद में ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बातचीत में आरोपी प्रोफेसर छात्रा को बार-बार मिलने के लिए दबाव बनाते सुनाई दे रहे हैं। छात्रा लगातार मना करती रही और अपनी पारिवारिक स्थिति का हवाला देती रही।

ऑडियो में आरोपी ने मुख्य और वैकल्पिक दोनों विषयों के प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा किया। साथ ही एमएससी, पीएचडी और विदेश में पढ़ाई तक मदद का लालच दिया। छात्रा ने बातचीत के बाद आरोप लगाया कि प्रोफेसर दोबारा उसका शोषण करना चाहते थे।

मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया। परीक्षा नियंत्रक की शिकायत पर हसनगंज थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने शुक्रवार रात आरोपी प्रोफेसर को विश्वविद्यालय परिसर से हिरासत में ले लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच के लिए आंतरिक शिकायत समिति गठित की है। वहीं छात्र-छात्राओं ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया। पुलिस के अनुसार आरोपी पर सार्वजनिक परीक्षा कानून और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। शनिवार को उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई

डीएम पर विवादित टिप्पणी मामले में आजम खां दोषी

यूनिक समय, रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को रामपुर की अदालत से बड़ा झटका लगा है। तत्कालीन जिलाधिकारी पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए दो साल के कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान दर्ज किया गया था।

जानकारी के अनुसार, चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां पर तत्कालीन जिलाधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने का आरोप लगा था। इस संबंध में भोट थाना क्षेत्र में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसके बाद से मामले की सुनवाई लगातार चल रही थी।

शनिवार को सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुनाते हुए आजम खां को दोषी माना और दो साल की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

उधर, आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में भी कानूनी कार्रवाई जारी है। हाल ही में निचली अदालत ने दोनों को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ बचाव पक्ष ने अपील दायर की है, जबकि अभियोजन पक्ष ने सजा बढ़ाने की मांग की है।

एमपी-एमएलए अदालत में इस मामले की सुनवाई जारी है। बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू हो चुकी है और अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 18 मई की तारीख तय की है। लगातार सामने आ रहे मामलों के चलते आजम खां की कानूनी मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

संजय प्लेस में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का किया घेराव

यूनिक समय, आगरा। संजय प्लेस में शनिवार को नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। फुटपाथ पर लगी ठेल-ढकेल हटाने और दुकानों के बाहर लगे तिरपाल उतरवाने पहुंची निगम टीम का व्यापारियों ने विरोध कर दिया। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों और निगम अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। नगर निगम की टीम शहर में अवैध अतिक्रमण हटाने के अभियान के तहत संजय प्लेस पहुंची थी। टीम ने सबसे पहले संजय टॉकीज के आसपास फुटपाथ पर खड़ी ठेल-ढकेल हटवानी शुरू की। इसके बाद एडीए से आवंटित दुकानों के बाहर छाया के लिए लगाए गए तिरपाल हटाने को कहा गया। इसी बात पर व्यापारी भड़क उठे और निगम टीम को घेर लिया।

दुकानदारों ने नगर निगम कर्मचारियों पर चौथ वसूली के गंभीर आरोप लगाए। व्यापारियों का कहना था कि इलाके का सुपरवाइजर नियमित रूप से बाजार से वसूली करता है। जो दुकानदार पैसे नहीं देते, उनके खिलाफ अतिक्रमण के नाम पर कार्रवाई कराई जाती है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कई बड़े दुकानदारों ने पूरे फुटपाथ पर कब्जा कर रखा है, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती।

व्यापारियों का कहना था कि उनकी दुकानें एडीए द्वारा विधिवत आवंटित हैं, इसके बावजूद उन्हें परेशान किया जा रहा है। वहीं निगम अधिकारियों ने साफ कहा कि फुटपाथ आम जनता के चलने के लिए होते हैं और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बढ़ते विरोध और हंगामे के बीच नगर निगम की टीम ने कुछ देर बाद कार्रवाई रोक दी और मौके से लौट गई। चौथ वसूली के आरोपों पर नगर निगम अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ताजमहल की फिसलन भरी सीढ़ियां बदलीं, बढ़ी सुरक्षा

यूनिक समय, आगरा। ताजमहल आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मुख्य मकबरे की सीढ़ियों को बदलने का काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी के दौरान मकबरे की 22 सीढ़ियों पर लगे पुराने लकड़ी के स्लीपर हटाकर नए स्लीपर लगाए गए। एएसआई अधिकारियों के अनुसार मुख्य मकबरे की मूल सीढ़ियां संगमरमर की हैं, जो वर्षों से हजारों पर्यटकों के लगातार आने-जाने के कारण बेहद चिकनी हो गई थीं। इससे फिसलने की घटनाएं बढ़ रही थीं। इसी वजह से वर्ष 2012 में यूनेस्को की सलाह पर लकड़ी के स्लीपर लगाए गए थे। करीब 14 साल बाद पुराने स्लीपर घिस चुके थे और लोहे के फ्रेम भी कई जगह कमजोर हो गए थे। पर्यटकों की शिकायतों के बाद इन्हें बदलने का फैसला लिया गया। इस बार लोहे की जगह स्टील फ्रेम का उपयोग किया गया है, ताकि जंग की समस्या न हो और सीढ़ियां अधिक टिकाऊ बन सकें। नई सीढ़ियों में साल की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है, जिसे हल्का खुरदुरा रखा गया है ताकि पर्यटकों को बेहतर पकड़ मिल सके। स्मारक की सुंदरता बनाए रखने के लिए इन पर सफेद रंग भी किया जाएगा। एएसआई ने बताया कि अगले शुक्रवार को दूसरी तरफ की सीढ़ियों को भी बदला जाएगा।

छह मस्जिदें भी ध्वस्तीकरण की जद में

दालमंडी सड़क चौड़ीकरण अभियान तेज

यूनिक समय, वाराणसी। उत्तर प्रदेश में अवैध निर्माण और सड़क चौड़ीकरण को लेकर बुलडोजर कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में वाराणसी के दालमंडी क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान ने अब नया मोड़ ले लिया है। प्रशासन की कार्रवाई की जद में यहां की छह मस्जिदें भी आ गई हैं। संबंधित मस्जिद कमेटियों को नोटिस जारी कर मस्जिदों को हटाने या शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन के अनुसार दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत जिन मस्जिदों पर कार्रवाई प्रस्तावित है, उनमें लंगड़े हाफिज मस्जिद, संगमरमर वाली मस्जिद, अली रजा खान मस्जिद, निसारन मस्जिद, शाह मस्जिद और करीमुल्लाह बेग मस्जिद शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि सड़क विस्तार कार्य में ये निर्माण बाधा बन रहे हैं।

क्षेत्र में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो सकती है।

दालमंडी, जिसे कभी पूर्वांचल के सबसे बड़े बाजारों में गिना जाता था, इन दिनों लगातार चल रही कार्रवाई के कारण चर्चा में है। प्रशासन ने यहां कुल 187 मकानों और भवनों को चिन्हित किया है।

इनमें से अब तक 70 से अधिक निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं। वहीं, हापुड़ में भी प्रशासन ने समाजवादी पार्टी नेता अय्यूब सिद्दीकी के कथित अवैध निर्माण पर बुलडोजर कार्रवाई की। प्रशासन का आरोप है कि तालाब की जमीन पर अवैध मकान बनाया गया था। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि विपक्ष से जुड़े लोगों और अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत की जा रही है।

होटल में युवकों ने की लड़की की डिमांड

यूनिक समय, गाजियाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के शक्ति खंड स्थित एक होटल में महिला मैनेजर से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि होटल पहुंचे कुछ युवकों ने लड़की की मांग की और मना करने पर महिला मैनेजर पर थप्पड़ों की बरसात कर दी। घटना का वीडियो होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। पीड़िता प्रियंका ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना 25 अप्रैल की शाम करीब छह बजे की है। वह होटल युवराज के रिसेप्शन पर मौजूद थीं, तभी शिवम नाम का युवक अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि दोनों ने होटल में लड़की उपलब्ध कराने की मांग की। महिला मैनेजर ने साफ कहा कि होटल में केवल कमरे दिए जाते हैं और इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके बाद दोनों युवक अभद्रता करने लगे और कथित तौर पर महिला को पैसों का लालच देकर अपने साथ चलने के लिए कहने लगे। पीड़िता के अनुसार विरोध करने पर उसने एक युवक को थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद दोनों वहां से चले गए। कुछ देर बाद आरोपी दोबारा लौटे और महिला मैनेजर के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शिवम को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

मना करने पर महिला मैनेजर से की मारपीट

क्रोधगोली अभियान में बड़ी सफलता

एनसीबी ने जब्त की कैप्टागॉन ड्रग की 182 करोड़ की खेप

यूनिक समय, नई दिल्ली। नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए "ऑपरेशन क्रोधगोली" के तहत पहली बार खतरनाक 'कैप्टागॉन' ड्रग की भारी खेप को जब्त किया है। जब्त की गई इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 182 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई को एजेंसी की अब तक की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस सफल अभियान को लेकर एनसीबी की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सरकार नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और देश में नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई भारत की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और मजबूत रणनीति का प्रमाण है।

कैप्टागॉन एक सिंथेटिक नशा पदार्थ है, जिसे मूल रूप से फेनेथाइलाइन नामक दवा के रूप में 1960 के दशक में ध्यान संबंधी विकारों और नींद से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए विकसित किया गया था। लेकिन बाद में इसके दुरुपयोग और अत्यधिक नशे की लत के कारण इसे कई देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया।

समय के साथ यह नशा अवैध बाजारों में फैल गया और खासकर पश्चिम एशिया तथा मध्य-पूर्व के कुछ क्षेत्रों में इसका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होने लगा। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, कई संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय अवैध नेटवर्क और चरमपंथी संगठनों से इसके संबंधों के आरोप भी सामने आए हैं, जिसके कारण इसे सुरक्षा चर्चाओं में "जिहादी ड्रग" के रूप में भी जाना जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कैप्टागॉन अत्यंत खतरनाक और प्रतिबंधित मादक पदार्थ है, जिसका सेवन व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। एनसीबी की यह कार्रवाई नशा तस्करी के खिलाफ भारत की सख्त नीति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती सक्रियता को दर्शाती है।

नीदरलैंड में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

यूनिक समय, नई दिल्ली। चार यूरोपीय देशों की यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दौरे के पहले चरण में नीदरलैंड पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। हेग में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए भारत और नीदरलैंड की मित्रता को मजबूत संबंधों का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हेग "सिटी ऑफ पीस" यानी शांति के शहर के रूप में दुनिया भर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय समुदाय का उत्साह देखकर ऐसा महसूस हो रहा है मानो वह भारत में ही किसी उत्सव का हिस्सा हों। पीएम ने प्रवासी भारतीयों की सराहना करते हुए कहा कि नीदरलैंड सरकार भी भारतीय समुदाय की मेहनत और योगदान की प्रशंसा करती है।

प्रवासी भारतीयों से किया संवाद

कार्यक्रम के दौरान कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी और गरबा सहित भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री ने कलाकारों की सराहना करते हुए भारतीय संस्कृति की विविधता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड के राजा विलियम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से भी मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

भोजशाला पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

लंदन से मां सरस्वती की होगी घर वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार स्थित भोजशाला को मां सरस्वती का प्राचीन मंदिर मानते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार को संकेत दिया है कि लंदन में मौजूद मां सरस्वती की प्राचीन मूर्ति को भारत वापस लाने के प्रयास तेज किए जाएं। इस फैसले के बाद भोजशाला एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गई है।

भोजशाला 11वीं शताब्दी में राजा भोज द्वारा स्थापित संस्कृत शिक्षा और विद्या का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। यहां मां वाग्देवी यानी सरस्वती की पूजा की जाती थी। बाद में आक्रमणों के दौरान इस परिसर में कमाल मौला मस्जिद का निर्माण किया गया। यह मामला अयोध्या और काशी विवाद से अलग माना जा रहा है, क्योंकि भोजशाला वर्ष 1909 से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में है। हाल में हुए वैज्ञानिक सर्वेक्षण में मंदिर से जुड़े कई प्रमाण मिले हैं, जिनमें संस्कृत शिलालेख, देवी-देवताओं की आकृतियां और हवन कुंड शामिल हैं।

बताया जाता है कि भोजशाला की प्राचीन सरस्वती मूर्ति वर्ष 1875 में ब्रिटेन ले जाई गई थी और वर्तमान में लंदन में सुरक्षित है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब उसकी वापसी की मांग तेज हो गई है।

मोरबी में शर्मनाक मामला

किराया न चुका पाने पर पत्नी-बेटी का शोषण

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के मोरबी जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आर्थिक तंगी और किराया न चुका पाने की वजह से एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और 13 वर्षीय बेटी का शोषण कराने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, परिवार छह महीने पहले काम की तलाश में मोरबी आया था और 2000 रुपये मासिक किराए पर मकान लिया था। काम न मिलने से आर्थिक संकट बढ़ता गया और किराया बकाया हो गया। आरोप है कि इसी दौरान पति ने मकान मालिक और उसके रिश्तेदार को पत्नी और नाबालिग बेटी का शोषण करने की अनुमति दे दी।

पीड़िता की मां और नानी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मकान मालिक को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया। एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है। मामले में पॉक्सो कानून और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत जांच की जा रही है।

नीट पेपर लीक जांच तेज

पीवी कुलकर्णी से कई पुराने मामलों पर पूछताछ

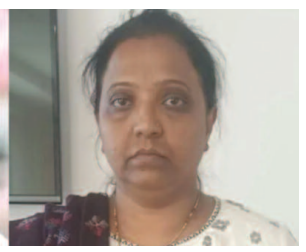

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच तेज कर दी है। मामले के कथित मास्टरमाइंड और रसायन विज्ञान के सेवानिवृत्त प्राध्यापक पीवी कुलकर्णी से लगातार पूछताछ की जा रही है। सीबीआई को शक है कि वह केवल वर्ष 2026 ही नहीं, बल्कि पहले के कई परीक्षा मामलों में भी शामिल हो सकता है।

जानकारी के अनुसार, पीवी कुलकर्णी नीट परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ा रहा था और रिटायरमेंट से पहले कई बार प्रश्नपत्र तैयार करने में भूमिका निभा चुका है। जांच एजेंसी अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि उसने किन-किन परीक्षाओं में भागीदारी की और कहीं पहले के पेपर लीक मामलों से उसका संबंध तो नहीं रहा। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, कुलकर्णी और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में छात्रों को संगठित तरीके से संपर्क किया। कमजोर छात्रों की पहचान कोचिंग संस्थानों के मॉक टेस्ट के जरिए की जाती थी और फिर उन्हें लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का लालच दिया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह आर्थिक स्थिति के आधार पर छात्रों से अलग-अलग रकम वसूलता था। मामले में कई कोचिंग संस्थानों और उनके संचालकों से भी पूछताछ जारी है।

होर्मुज से सुरक्षित निकले एलपीजी टैंकर, भारत को बड़ी राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। रसोई गैस से लदे दो बड़े एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इनमें से 'सिमी' नामक जहाज आज गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, 'सिमी' कतर के रास लफान टर्मिनल से करीब 19,965 टन एलपीजी लेकर रवाना हुआ है। वहीं दूसरा जहाज 'एनवी सनशाइन' यूएई की रुवैस रिफाइनरी से 46,427 टन गैस लेकर भारत आ रहा है और 18 मई तक नया मंगलूर बंदरगाह पहुंच सकता है।

दोनों जहाजों में मौजूद एलपीजी भारतीय तेल निगम (आईओसी) की बताई जा रही है। तनावपूर्ण हालात के बावजूद इन जहाजों का सुरक्षित पहुंचना भारत की ऊर्जा आपूर्ति के लिए राहत माना जा रहा है।

आईएसआईएस का नंबर-2 आतंकी अफ्रीका में ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और नाइजीरिया की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े नेता अबू-बिलाल अल-मिनुकी को मार गिराया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सफल ऑपरेशन की जानकारी देते हुए इसे आतंकवाद के खिलाफ बड़ी जीत बताया है। यह कार्रवाई अफ्रीका क्षेत्र में एक बेहद सुनियोजित और गुप्त अभियान के तहत की गई।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ सोशल" पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह मिशन अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों के बीच बेहतरीन तालमेल का परिणाम है।

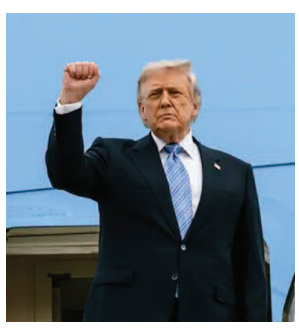

उन्होंने अल-मिनुकी को दुनिया के सबसे खतरनाक आतंकवादियों में से एक बताते हुए कहा कि वह लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में था।

राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, यह अभियान पूरी तरह सफल और "त्रुटिहीन" रहा, जिसमें लक्ष्य को सटीक तरीके से समाप्त किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आईएसआईएस नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि अल-मिनुकी संगठन के वैश्विक संचालन में अहम भूमिका निभा रहा था।

ट्रंप ने दी बड़ी जानकारी

इस संयुक्त ऑपरेशन में नाइजीरिया की भूमिका को भी विशेष रूप से सराहा गया है। ट्रंप ने नाइजीरियाई सरकार और उसकी सेना को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग इस सफलता की मुख्य वजह रहा। हालांकि, इससे पहले अमेरिका और नाइजीरिया के बीच कुछ राजनीतिक मतभेद भी सामने आए थे, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ इस अभियान ने दोनों देशों को एक मंच पर ला दिया।

विशेषज्ञों का मानना है कि अफ्रीका में आईएसआईएस की गतिविधियों को नियंत्रित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। लंबे समय से इस क्षेत्र में आतंकवादी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं, जिन पर काबू पाने के लिए लगातार अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत रही है।

यह कार्रवाई न केवल आईएसआईएस के लिए रणनीतिक नुकसान मानी जा रही है, बल्कि वैश्विक स्तर पर आतंकवाद विरोधी अभियानों को भी एक नई दिशा देने वाली घटना के रूप में देखी जा रही है।

शिकोहपुर भूमि सौदा मामले में रॉबर्ट वाड्रा को अदालत से जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिकोहपुर भूमि सौदा मामले में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के बीच अदालत ने उन्हें जमानत प्रदान कर दी। वाड्रा अदालत में पहले जारी समन के अनुपालन में पेश हुए थे। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश सुशांत चांगोत्रा की अदालत में हुई। अदालत ने जमानत देते हुए केवल जमानत बांड जमा कराने का निर्देश दिया और कोई अतिरिक्त शर्त नहीं लगाई। वहीं, ईडी ने अदालत से जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। यह मामला हरियाणा के गुरुग्राम स्थित शिकोहपुर गांव में जमीन खरीद-बिक्री से जुड़े कथित धनशोधन मामले से संबंधित है। आरोप है कि रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने वर्ष 2008 में करीब 7.5 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी थी, जिसे बाद में बड़ी रकम में बेचा गया।

सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर निगम ने दिखाई सख्ती

यूनिक समय, मथुरा। शहर में बढ़ती यातायात समस्या और सड़क किनारे हो रहे अतिक्रमण को लेकर शनिवार को नगर निगम और यातायात पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। यह कार्रवाई भूतेश्वर चौराहे से स्टेट बैंक तक की गई, जहां अवैध पार्किंग और दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती दिखाई गई। अभियान में नगर निगम की टीम, यातायात पुलिस और प्रवर्तन दल शामिल रहे। टीम ने सड़क किनारे खड़े वाहनों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया। कई वाहनों को मौके से हटवाया गया। दुकानों के बाहर रखा सामान, अस्थायी टीन शेड और सड़क तक फैले अतिक्रमण को भी हटवाया गया।

नगर निगम और यातायात पुलिस के साथ अतिक्रमण अभियान चलवाते सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी आदि।

अभियान के दौरान इलाके में अफरा–तफरी का माहौल देखने को मिला। कई दुकानदार जल्दबाजी में अपना सामान हटाते नजर आए, जबकि वाहन मालिकों में भी हड़कंप मचा रहा। नगर निगम अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में सड़क पर अतिक्रमण या अवैध पार्किंग मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी ने बताया कि शहर में लगातार जाम और अवैध अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं। नगर निगम की ओर से पहले जागरुकता अभियान भी चलाया गया था, लेकिन बार–बार नियमों का उल्लंघन होने के कारण अब सख्ती बरती जा रही है। सहायक नगर आयुक्त ने कहा कि शहर को जाम मुक्त और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भूतेश्वर से स्टेट बैंक तक चला अतिक्रमण अभियान, अवैध पार्किंग पर भी कार्रवाई

डीएम–एसएसपी ने देखा परिक्रमा मार्ग, दिए निर्देश

मांट तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत सुनते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को तहसील मांट में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान अचानक डीएम सीपी सिंह ओर एसएसपी श्लोक कुमार पहुंच गए। पीड़ितों की शिकायत सुनने के बाद परिक्रमा मार्ग को देखा और अधिकारियों को निर्देश दिए।

तहसील में एसडीएम दीपिका मेहर की अध्यक्षता में जनसुनवाई चल रही थी, तभी पहुंचे डीएम और एसएसपी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। समाधान दिवस में 48 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

इसके बाद डीएम और एसएसपी ने विभागीय अधिकारियों के साथ मांट क्षेत्र ने निकलने वाले 84 कोस परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार से अधिक मास प्रारंभ हो रहा है, जिसके चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिक्रमा लगाने पहुंचेंगे।

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार है। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसएसपी ने परिक्रमा मार्ग पर साफ–सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग पर किसी भी प्रकार की गंदगी, अवरोध या अव्यवस्था दिखाई नहीं देनी चाहिए।

श्रद्धालुओं की सुविधा को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

समाधान दिवस में सुनीं शिकायत, निदान को कहा

मथुरा रॉयल ग्रुप ने कराई जनसेवा को वाटर कूलर की स्थापना

वाटर कूलर की स्थापना करते मथुरा रॉयल ग्रुप के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। बढ़ती गर्मी को देखते हुए मथुरा रॉयल ग्रुप ने भारती हॉस्पिटल के बाहर ठंडे पानी की सुविधा को वाटर कूलर की व्यवस्था कराई है। इस जनहितकारी पहल का शुभारंभ दिलीप अग्रवाल, मनोहर लाल अग्रवाल और अशोक गर्ग ने संयुक्त रूप से किया।

गर्मी के इन दिनों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ठंडे पानी की यह व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर मनोहर लाल अग्रवाल, डॉ. सुधीर गर्ग, धर्म सिंह, यदुवीर सिंह, अभय बंसल, शिवम बेरीवाल, दिलीप अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विपिन गर्ग, ओपी अग्रवाल, विकास सिंघल, संजय अग्रवाल, संदीप कुमार, दिनेश गर्ग, अशोक गर्ग, कपिल अग्रवाल, केके जैन, अनिल गोयल और आनंद मित्तल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सांसद ने किया सड़क, नाली और पुलिया निर्माण का शिलान्यास

पुष्पा धाम कॉलोनी की सीसी सड़क,नाली का शुभारंभ करती सांसद हेमा मालिनी,महानगर अध्यक्ष राजू यादव और स्थानीय लोग।

यूनिक समय, मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा–वृंदावन के वार्ड–36 स्थित पुष्पा धाम कॉलोनी में सीसी सड़क, नाली और पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इस मौके पर सांसद ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से सड़क, जल निकासी और आवागमन की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। पूर्व सैनिक परिवारों और स्थानीय निवासियों को बरसात के दिनों में काफी परेशानियां उठानी पड़ती थीं। अब कार्य के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी।

सांसद ने अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध से पूरा कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव,लोकेश निषाद, क्षेत्रीय पार्षद सुरेश निषाद, जिला महामंत्री ज्ञानेन्द्र राणा, भानु प्रताप, पूर्व सैनिक बनवारी लाल शर्मा, भंवर सिंह सहित काफी भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर की समस्याओं के समाधान को लगेंगे विशेष कैंप

यूनिक समय, मथुरा। जिले में जिन इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, अब वहां उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान को विशेष कैंप लगाए जाएंगे। यह कैंप 15 मई से 30 जून तक बिजली विभाग के उपखंड, सहायक अभियंता और अधिशासी अभियंता कार्यालयों में चलेंगे।

बिजली विभाग ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने–अपने क्षेत्रों के बिजली उपकेंद्रों पर कैंप लगाकर लोगों की समस्याएं सुनें और समाधान करें। मुख्य अभियंता ने कहा कि अगर किसी उपभोक्ता का स्मार्ट मीटर प्रीपेड से पोस्टपेड में बदला गया है और बिल में कोई गड़बड़ी आ रही है, तो जांच कर बिल सही किया जाएगा। यह काम बीआरआईएम प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा और उसकी जानकारी उपभोक्ता को भी दी जाएगी। कैंप में आने वाली हर शिकायत को 1912 हेल्पलाइन पर दर्ज करना जरूरी होगा।

अधिकारियों को कहा गया है कि शिकायत करने वाले का नाम और मोबाइल नंबर सही तरीके से दर्ज करें, ताकि समस्या का जल्दी समाधान हो सके। कैंप में उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर भी अपडेट किए जाएंगे। साथ ही "यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप" डाउनलोड करने और चलाने की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि वे घर बैठे बिजली बिल और मीटर की जानकारी देख सकें।

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए शुरू किया अभियान

चीर घाट पर यमुना में डूबने से युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित चीर घाट पर शनिवार को यमुना में स्नान करते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक यमुना में स्नान कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। युवक को डूबता देख वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया तथा तुरंत उसे बाहर निकालने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की मदद से युवक को यमुना से बाहर निकालकर तत्काल सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खबर लिखे जाने तक मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी थी।

मांट पुलिस ने गिरफ्तार किए चार ट्रैक्टर ट्रॉली चोर

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने चार अभियुक्तों को चोरी के ट्रैक्टर की ट्रॉली और अवैध तमंचा, चाकूओं के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूचना के आधार पर सर्विस रोड पर स्थित प्रस्तावित विष्णु मंदिर की जमीन के समीप से अभियुक्त आनंद उर्फ अंशु निवासी गांव नसीटी थाना मांट, अतुल निवासी गांव दौलतपुर दबदुआ थाना बल्देव, गौरव निवासी गढ़सौली बल्देव, दीपक उर्फ पुनीत को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली, देशी तमंचे और चाकू बरामद किए हैं।

बिना जैकेट नाव चलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

यमुना में चल रही नावों पर निगरानी करते पुलिस कर्मी।

यूनिक समय, वृंदावन। पुलिस ने बिना लाइफ जैकेट के यमुना में स्टीमरों का संचालन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने जुगलघाट निवासी नाविक नत्थी और केशीघाट निवासी पूरन को गिरफ्तार किया। हिदायत देते हुए पुलिस ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए नियमों के अनुसार ही यमुना में नावें चलेंगी। गौरतलब है कि वृंदावन में एक माह पहले केशीघाट के निकट बने पांटून पुल से टकराने के बाद स्टीमर के यमुना में डूबने से 16 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

एलपीजी डिलीवरी के नाम पर नया साइबर जाल

ठगों के निशाने पर सिलेंडर उपभोक्ता

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। घरों की रसोई का सबसे जरूरी हिस्सा माने जाने वाले एलपीजी सिलेंडर अब साइबर ठगों का नया हथियार बन गए हैं। देशभर में तेजी से बढ़ रहे एलपीजी डिलीवरी घोटाले ने सुरक्षा एजेंसियों और तेल कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। ठग गैस एजेंसी अधिकारी या डिलीवरी कर्मी बनकर ग्राहकों को फोन और व्हाट्सएप संदेश भेज रहे हैं। जालसाज लोगों को डराते हैं कि केवाईसी अपडेट न होने पर

गैस कनेक्शन बंद हो जाएगा। इसके बाद आधार लिंक या कनेक्शन बचाने के नाम पर ओटीपी और डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड मांगते हैं। यही कोड बैंक खाते और डिजिटल वॉलेट तक पहुंचने का जरिया बन जाता है। कई फर्जी संदेश इतने असली लगते हैं कि लोग आसानी से धोखा खा जाते हैं।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने संयुक्त चेतावनी जारी कर ग्राहकों को सतर्क रहने को कहा है। कंपनियों ने स्पष्ट किया कि आधिकारिक डिलीवरी कोड केवल सिलेंडर घर पहुंचने पर ही साझा करें। एचपीसीएल ने बताया कि उनके संदेश सिर्फ "वीएम–एचपीजीएएससी–एस" हेडर से आते हैं। तेल कंपनियों ने ग्राहकों को केवल अधिकृत मोबाइल अनुप्रयोग जैसे वीएम-एचपीजीएएस-एस का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है। डिजिटल दौर में एक छोटी लापरवाही भारी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है।